● वर्ष-4
● अंक-158
रायपुर, मंगलवार
11 फरवरी 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जाग्रत कियायय

खिलाबो कमल फूल

PUBLISHED BY BHARTIYA JANTA PARTY, CHHATTISGARH

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री ने छात्रों से बातचीत की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली की सुंदर नर्सरी में परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) के 8वें आयोजन के दौरान छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने देशभर के छात्रों के साथ अनौपचारिक बातचीत में कई विषयों पर चर्चा की। उन्होंने तिल से बनी मिठाइयां वितरित कीं, जो सर्दियों के दौरान शरीर को गर्म रखने के लिए पारंपरिक रूप से परोसी जाती हैं। भाषण के विषय पर कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष' घोषित किया है और भारत के एक प्रस्ताव पर इसे दुनिया भर में प्रचारित किया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने दृढ़ता से आग्रह किया है कि पोषण के बारे में बहुत जागरूकता होनी चाहिए, क्योंकि उचित पोषण कई बीमारियों को रोकने में मदद करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में बाजरा को सुपरफूड के रूप में जाना जाता है।

- मौसमी फल अवश्य खाने चाहिए, भोजन को ठीक से चबाना चाहिए, उचित भोजन उचित समय पर करना चाहिए
- बीमार न होने का अर्थ यह नहीं है कि हम स्वस्थ हैं, सेहत पर ध्यान दें
- हमें अपने काम पर ध्यान केंद्रित करते हुए दबाव के लिए खुद को तैयार करना चाहिए
- हमें बेहतर के लिए प्रयास करते रहना चाहिए, अपनी लड़ाई खुद लड़नी चाहिए, अपने भीतर शांति ढूंढ़नी चाहिए
- एक उदाहरण बनें, सम्मान की मांग न करें, सम्मान प्राप्त करें, मांग के बजाय काम करके नेतृत्व करें
- छात्र रोबोट नहीं हैं, पढ़ाई समग्र विकास के लिए है, उन्हें अपने जुनून को तलाशने की स्वतंत्रता होनी चाहिए
- परीक्षाएं ही सब कुछ नहीं हैं, ज्ञान और परीक्षाएं एक ही चीज नहीं ह

मोदी ने दिए परीक्षा के मंत्र

- लिखने की आदत विकसित की जानी चाहिए
- प्रत्येक छात्र की अनूठी प्रतिभा को खोज कर उसे बढ़ावा दें, सकारात्मकता की तलाश करें
- हम सभी के पास 24 घंटे का समय है, यह हमारे समय को बुद्धिमानी से प्रबंधित करने के बारे में है
- वर्तमान पर ध्यान दें, अपने प्रियजनों के साथ अपनी भावनाओं को साझा करे

अपने बच्चों की तुलना दूसरों से न करें, उनके जुनून का समर्थन करने के लिए अपने बच्चों को समझें, अपने बच्चों की ताकत खोजें

- सुनना सीखें, उचित तरीके से सांस लेना महत्वपूर्ण है
- हर बच्चा विशिष्ट है, उनके सपनों को जानें, उनकी यात्रा का मार्गदर्शन करें, उनका समर्थन करें
- छात्रों की तुलना करने से बचें, छात्रों की सबके सामने आलोचना न करें, उन्हें प्रोत्साहित करें और प्रेरित करने के लिए उनकी प्रशंसा करें
- खुद को चुनौती दें, अपने अतीत को हराएं, वर्तमान में आगे बढ़ें
- सुनें, सवाल करें, समझें, लागू करें, खुद से प्रतिस्पर्धा करें
- अपनी असफलताओं को अवसरों में बदलें
- तकनीक का इस्तेमाल डर से नहीं बल्कि बुद्धिमानी से करें, तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए
- हमें प्रकृति का दोहन नहीं करना चाहिए बल्कि अपने पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए और उसका पोषण करना चाहिए, इसके लिए हम अपना आभार प्रकट करते हैं, एक पेड़ मां के नाम ऐसी ही एक पहल है।

10 नगर निगम की सरकार के लिए मतदान आज

रायपुर नगर निगम के 1095 मतदान केन्द्रों में 10.36 लाख से अधिक मतदाता चुनेगें महापौर और पार्षद

सुबह 8 से शाम 5 बजे तक मतदान

रायपुर। जिले में कल रायपुर नगर निगम सहित अन्य 10 नगरीय निकायों में मतदान होगा। मतदान का समय सुबह 8 से शाम 5 बजे तक है। मतदान केन्द्रों में सारी व्यवस्था कर ली गई है। आज सुबह से मतदान समाग्री का वितरण हुआ और मतदान दल केन्द्र में पहुंच गए हैं। रायपुर नगर निगम में निर्वाचन हेतु 70 वार्डों में कुल 1095 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इसमें कुल मतदाताओं की संख्या 10 लाख 36 हजार 118 है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 5 लाख 18 हजार 954 तथा महिला मतदाताओं की संख्या 5 लाख 16 हजार 908 है। तृतीय लिंग मतदाताओं की संख्या 256 है। जिले में सभी नगरीय निकायों के 240 वार्ड में कुल 11 लाख 68 हजार 373 मतदाता हैं। जिनमें पुरूष मतदाता 5 लाख 83 हजार 807, महिला मतदाता 5 लाख 84 हजार 307 एवं तृतीय लिंग मतदाता की संख्या 259 हैं। रायपुर नगर निगम मे मतदान को सुचारू रुप से कराने के लिए 104 सेक्टर ऑफिसर की नियुक्ति की गई है। वहीं जिले में कुल 136 सेक्टर ऑफिसर हैं।

विधानसभा से दोबारा पारित विधेयक राष्ट्रपति को कैसे?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा से पारित विधेयकों पर सहमति रोकने से पहले तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि की लंबी चुप्पी पर सवाल उठाया और आश्चर्य जताया कि राज्यपाल विधानसभा से पुन: पारित विधेयकों को राष्ट्रपति के पास कैसे भेज सकते हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की ओर से राज्यपाल डॉ. आरएन रवि के खिलाफ दायर रिट याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया।

राज्यपाल ने 12 विधेयकों पर अपनी सहमति नहीं दी है और इनमें से सबसे पुराना विधेयक जनवरी, 2020 से लंबित है। एक बार जब सरकार ने विशेष सत्र में विधेयकों को फिर से पारित किया तो राज्यपाल ने कुछ पुन: पारित कानूनों को पुनर्विचार के लिए राष्ट्रपति के पास भेज दिया। राज्यपाल के साथ विधेयकों को लेकर जारी विवाद मामले में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली है। पीठ ने राज्यपाल की ओर से पेश हुए देश के अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से कहा, राज्यपाल ने जब राज्य सरकार की ओर से

भेजे गए विधेयकों पर सहमति नहीं दी तब उनके मन में निश्चित रूप से कुछ चल रहा था। हालांकि राज्यपाल ने यह नहीं बताया कि प्रस्तावित कानूनों के बारे में उन्हें क्या परेशान कर रहा था। जस्टिस पारदीवाला ने कहा, राज्यपाल एक या दो साल तक चुप रहते हैं। सहमति नहीं देते। फिर अचानक कहते हैं कि मैंने उन्हें राष्ट्रपति के पास भेज दिया है। वेंकटरमणी ने कहा कि राज्यपाल ने राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए खोज-सह-चयन समिति के गठन के बारे में अपनी आपत्तियों से राज्य को पहले ही अवगत करा दिया था। विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति राज्यपाल ने खोज-सह-चयन समिति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष के नामित व्यक्ति को शामिल करने की मांग की थी। इसके बाद पारित राज्य विधेयकों में राज्यपाल को कुलपतियों की नियुक्ति प्रक्रिया से हटाने की मांग की गई। इस पर पीठ ने कहा, तो फिर आप विधेयकों के बारे में चुप क्यों रहे? यदि आपको आपत्तियां अप्रिय लगीं तो आपने राज्य सरकार को इसके बारे में क्यों नहीं बताया?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभ में सोमवार सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगम स्नान किया। इसके बाद यहां अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की।

प्रमुख समाचार

पंजाब में जाने वाली है भगवंत मान की सरकार: रंधावा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोमवार को राज्य में मध्यावधि चुनाव की भविष्यवाणी करते हुए दावा किया कि दिल्ली में चुनावी हार के बाद आप विधायक बड़ी संख्या में पार्टी छोड़ देंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य के मंत्रियों और पार्टी विधायकों से मुलाकात करने वाले हैं। इसी को लेकर रंधावा ने कहा कि ये सीएम अब पंजाब में काम नहीं करेंगे। पंजाब की हालत, अर्थव्यवस्था, कानून व्यवस्था सबसे खराब है। सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि अब उन्हें (आप) समझ आ गया है कि दिल्ली में उनका काम खत्म हो गया है। पंजाब में जल्द ही मध्यावधि चुनाव होंगे और कांग्रेस अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि उनके (आप) विधायक सभी पार्टियों के संपर्क में हैं। हम सब उनके संपर्क में हैं। मध्यावधि चुनाव होने वाला है। भगवंत मान न कांग्रेस में जाएंगे, न बीजेपी में, घर जाएंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य के मंत्रियों और पार्टी विधायकों से मुलाकात करेंगे।

गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे के बयान ने बढ़ाया सियासी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार की पर्यावरण मंत्री और दिवंगत भाजपा नेता गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे द्वारा एक कार्यक्रम में दिए गए बयान ने राज्य की सियासत का पारा बढ़ा दिया है। नासिक में आयोजित एक कार्यक्रम में पंकजा मुंडे ने कहा कि गोपीनाथ मुंडे के अनुयायियों की संख्या इतनी अधिक है कि वे अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पंकजा मुंडे ने नासिक में बीते रविवार एक कार्यक्रम में कहा कि मुंडे साहेब से प्रेम करने वालों को अगर हमने इकट्ठा किया तो एक अलग पक्ष खड़ा हो जाएगा। इतनी बड़ी ताकत मुंडे साहेब से प्यार करने वाले लोगों की है। मुंडे साहेब से प्रेम करने वाले लोग ही मेरे साथ जुड़ते गए, जो कि सिर्फ उनकी बेटी होने की वजह से नहीं हो पाता। पंकजा मुंडे ने आगे कहा कि, विरासत में जो गुण मिलते हैं, लोग उसे स्वीकार करते हैं। लोग मुंडे साहेब के गुणों से प्रेम करते हैं। लिहाजा, उनसे प्रेम करने वालों की एक पार्टी तो खड़ी हो सकती है। मुंडे साहेब ने भाजपा के जन्म के समय से उसके लिए काम किया है और उसे खड़ा किया है।

विज को मिला कारण बताओ नोटिस, भाजपा ने मांगा जवाब

चंडीगढ़। पिछले दिनों हरियाणा के मंत्री अनिल विज की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली को दिए सार्वजनिक बयानों को भाजपा ने गंभीरता से लिया है। पार्टी अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने अनिल विज को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। पार्टी अध्यक्ष की ओर से दिए नोटिस में बड़ौली ने कहा- आपने पार्टी अध्यक्ष और पार्टी के मुख्यमंत्री पद के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयान दिया है। यह गंभीर आरोप है। यह कदम न केवल पार्टी के विचारधारा के खिलाफ है बल्कि यह उस समय हुआ, जब पार्टी पड़ोसी राज्य में चुनाव के लिए अभियान चला रही थी। चुनावी समय में इस प्रकार की बयानबाजी से पार्टी की छवि को नुकसान होगा, यह जानते हुए आपने यह बयान दिए जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली को लेकर अनिल विज ने 2 फरवरी को कहा था कि उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन पर दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज है। वह महिलाओं की मीटिंग किस तरह ले सकते हैं। सोनीपत के गोहाना में उन्होंने कहा था, हम तो महिलाओं को 30 प्रतिशत तक बढ़ा रहे हैं, ऐसे में धारा-376 का आरोपी प्रदेशाध्यक्ष नहीं रह सकता।

दिल्ली के मुसलमानों के लिए चिंता की बात- राशिद अल्वी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत पर अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम राष्ट्रीय राजधानी में मुस्लिम समुदाय के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। गौरतलब है कि करीब 27 साल बाद बीजेपी ने दिल्ली में जीत हासिल की है। इस बीच, कांग्रेस ने निराशाजनक प्रदर्शन किया और चुनावों में कोई महत्वपूर्ण प्रभाव डालने में असफल रही। अल्वी ने कहा कि अगर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर दिल्ली चुनाव लड़ा होता तो बीजेपी को जीत नहीं मिलती। अल्वी ने कहा कि अगर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मिलकर दिल्ली चुनाव लड़ते तो बीजेपी जीत नहीं पाती। कांग्रेस आलाकमान को तय करना है कि हमें अपने सहयोगियों के साथ जाना है या अकेले चुनाव लड़ना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जो हुआ वह दिल्ली के मुसलमानों के लिए चिंता का विषय है। दिल्ली के इस चुनाव ने उन्हें यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि बीजेपी हमारी (कांग्रेस) वजह से चुनाव जीती है।

ममता बनर्जी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन से किया इनकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को साफ कर दिया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस अकेले उतरेगी और कांग्रेस या किसी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। टीएमसी सूत्रों के मुताबिक, ममता बनर्जी ने पार्टी के विधायकों की बैठक में यह एलान किया। विधानसभा के बजट सत्र से पहले पार्टी विधायकों को संबोधित करते हुए टीएमसी सुप्रीमो ने अगले साल होने वाले चुनाव में दो-तिहाई बहुमत से जीतने का दावा किया। टीएमसी सूत्र ने ममता बनर्जी के हवाले से कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मदद नहीं की। हरियाणा में भी आप ने कांग्रेस का समर्थन नहीं किया। इसी कारण भाजपा ने दोनों राज्यों में जीत दर्ज की। सभी को एक साथ रहना चाहिए, लेकिन कांग्रेस का बंगाल में कोई जनाधार नहीं है। मैं अकेले चुनाव लड़ूंगी। बैठक में ममता बनर्जी ने यह भी जोर देकर कहा कि टीएमसी लगातार चौथी बार सरकार बनाएगी और दो-तिहाई बहुमत से जीत हासिल करेगी। समान विचारधारा वाले दलों को समझदारी से काम लेना चाहिए।

दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत संसद में लगे 'मोदी-मोदी' के नारे

सोमवार को संसद की नियमित कार्यवाही अपेक्षाकृत शांत रही, जबकि पिछले कुछ दिनों में कुछ स्थगन देखने को मिले थे। दोनों सदनों ने बजट पर चर्चा जारी रखी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत की पृष्ठभूमि में पार्टी सदस्यों ने सोमवार को लोकसभा में 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए। बीते आठ फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद संसद के वर्तमान बजट सत्र का आज पहला कामकाजी दिन था। वहीं, आकाशवाणी पर क्रिकेट कमेंट्री की 'दयनीय स्थिति' पर तृणमूल सदस्य ने चिंता जताई।

लोकसभा की कार्यवाही

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस के सदस्य प्रशांत पंडोले से कहा कि उनकी किस्मत बड़ी है क्योंकि उन्हें सदन में बोलने का खूब अवसर मिलता है। इस पर पंडोले ने कहा कि यह जनता और लोकसभा अध्यक्ष के आशीर्वाद के कारण है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद दिलीप सैकिया ने चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर सबसे बड़े बांध का निर्माण किए जाने और इससे भारत, खासतौर पर उत्तर पूर्व राज्यों में आपदाओं का खतरा होने का दावा करते हुए सोमवार को सरकार से अनुरोध किया कि पड़ोसी देश से बात कर इसे रुकवाया जाए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि यदि कोई उधारकर्ता स्वर्ण ऋण का भुगतान करने में विफल रहता है तो बैंकों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा सोने की नीलामी के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का उल्लंघन करने को लेकर कार्रवाई की जाएगी। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए सीतारमण ने कहा

कि एनबीएफसी और अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) समान नियमों द्वारा निर्देशित होते हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि केंद्र ने ऋण गारंटी कोष योजना के तहत वर्ष 2024 तक 6.78 लाख छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए 3,019 करोड़ रुपये मंजूर किए। योजना के तहत, केंद्र सरकार छात्रों को बिना किसी गिरवी आदि (कोलेटरल सिक्योरिटी) के शिक्षा ऋण की गारंटी देती है।

द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने सोमवार को केंद्रीय बजट को भेदभावपूर्ण तथा देश के आम लोगों के साथ अन्याय करार दिया और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के एक कथित पुराने बयान का हवाला देते हुए कहा कि क्या वह अब इस्तीफा देंगी। मारन ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि बजट में मध्य वर्ग के एक छोटे हिस्से को आयकर की राहत दी गई, लेकिन देश की बड़ी आबादी को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कांग्रेस पर उसके शासनकाल में देश के बजाय एक परिवार को तवज्जो देने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के समय देश 'स्कैम भारत' था, जो आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में 'सक्षम भारत' बन गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकारों में देश में 'कर आतंकवाद' था, लेकिन आज मोदी सरकार ने पहली बार 12 लाख रुपये तक की आय को करमुक्त करके मध्यम वर्ग के करोड़ों लोगों को बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि लेकिन विपक्ष को न मध्यम वर्ग से मतलब है, न गरीब से और इसलिए इन घोषणाओं पर वह खुश नहीं है। उन्होंने दावा किया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बजट को 'बैंडेज बजट' की संज्ञा दी थी। ठाकुर ने कहा कि यह तो 'बूस्टर शॉट बजट' है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 14 करोड़ पात्र भारतीयों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलने वाले लाभों से वंचित किए जाने का सोमवार को दावा किया और सरकार से जल्द से जल्द जनगणना कराने की मांग की।

निशिकांत दुबे का दावा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने अमेरिकी संस्था 'यूएसएड' द्वारा भारत को विभाजित करने के लिए विभिन्न संस्थाओं को धन दिए जाने का दावा करते हुए सोमवार को सरकार से मांग की कि इस मामले में जांच कराई जाए और दोषी पाए गए लोगों को जेल में डाला जाए। दुबे ने कांग्रेस के साथ अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस के साथ संबंध होने का अपना आरोप एक बार फिर दोहराया। दुबे ने सवाल उठाया कि क्या 'यूएसएड' ने तालिबान को पैसा दिया था? उन्होंने कहा कि इस अमेरिकी संस्था ने आतंकवादी और नक्सलवादी गतिविधिया बढ़ाने वाले कुछ संगठनों को पैसा दिया या नहीं, विपक्ष यह बताए।

सभी मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टी हुईं रवाना, आज सुबह आठ से होगी वोटिंग

कबीरधाम। बेमेतरा जिले में 11 फरवरी को निकाय चुनाव होने हैं। इस जिले में एक नगर पालिका व नौ नगर पंचायत है, जहां कल सुबह आठ से शाम पांच बजे तक वोटिंग होनी है। सोमवार को सभी मतदान केंद्र के लिए पोलिंग पार्टी रवाना होनी शुरू हो गई हैं। जिले के 10 नगरीय निकायों में कुल 75 हजार 106 मतदाता पंजीकृत हुए हैं, जिनमें महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक है।

मतदाता संख्या के आधार पर नगर पालिका परिषद बेमेतरा सबसे बड़ी निकाय है, जहां कुल 27 हजार 9 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 13 हजार 209 पुरुष व 13 हजार 800 महिला मतदाता हैं। इसी प्रकार नगर पंचायत दाढ़ी में कुल जनसंख्या 4980, कुल मतदाता 4155 (पुरुष 2,069, महिला 2,086), नगर पंचायत नवागढ़ में कुल जनसंख्या 10541, कुल मतदाता 9606 (पुरुष 4705, महिला 4901), नगर पंचायत साजा कुल जनसंख्या 5257, कुल मतदाता 4858 (पुरुष 2362, महिला 2496), नगर पंचायत देवकर में कुल जनसंख्या 6358, कुल मतदाता 5511 (पुरुष 2685, महिला 2826) हैं।

नगर पंचायत परपोड़ी में कुल जनसंख्या 3741, कुल मतदाता 3333 (पुरुष 1615, महिला 1718), नगर पंचायत थानखम्हरिया में कुल जनसंख्या 8373, कुल मतदाता 7907 (पुरुष 3813, महिला 4094), नगर पंचायत बेरला में कुल जनसंख्या 5165, कुल मतदाता 5122 (पुरुष 2454, महिला 2668), नगर पंचायत कुसमी में कुल जनसंख्या 4835, कुल मतदाता 3991 (पुरुष 1892, महिला 2099), नगर पंचायत भिंभौरी में कुल जनसंख्या 4592, कुल मतदाता 3614 (पुरुष 1773, महिला 1841)है।

नगर पंचायत दाढ़ी, भिंभौरी व कुसमी में पहली बार निकाय चुनाव हो रहे हैं, क्योंकि ये इसी साल नगर पंचायत बने हैं। पूर्व में ये ग्राम पंचायत हुआ करते थे। जिले के सभी निकाय की जनसंख्या 82 हजार 378 है, जिसमें 75 हजार 106 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 36 हजार 577 पुरुष व 38 हजार 529 महिला मतदाता शामिल हैं। बेमेतरा जिले के सभी निकाय में कांग्रेस व भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। इन दोनों पार्टी ने संबंधित निकाय में अध्यक्ष व पार्षद के लिए अपने-अपने प्रत्याशी उतारे हैं।

कवर्धा नगर पालिका के 52 मतदान केंद्रों के लिए पीजी कॉलेज कवर्धा में सामग्री वितरण कर मतदान दलों को रवाना किया गया है। मतदान का समय सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक निर्धारित है। जिले के सात

नगरीय निकाय नगर पालिका कवर्धा, पंडरिया, नगर पंचायत पांडातराई, बोड़ला, पिपरिया, सहसपुर लोहारा और इंदौरी के 120 वार्डो के लिए 145 मतदान केंद्र बनाया गया है।

मतदान दल के पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी अपने-अपने मतदान केंद्र के लिए सामग्री प्राप्त कर मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुए। सभी नगरीय निकाय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी राजनीतिक दल के अभ्यर्थी एवं प्रतिनिधि की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम को खोला गया। इसके बाद मतदान दल को सामग्री का वितरण प्रारंभ किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी गीता रायस्त ने बताया कि जिले में दो नगर पालिका और पांच नगर पंचायत हैं। इन सातों नगरीय निकाय में 145 मतदान केंद्र हैं। सभी मतदान केंद्रों के लिए रिजर्व सहित 200 कंट्रोल यूनिट और 376 बैलेट यूनिट तैयार किया गया है।

कवर्धा के लिए 68 कंट्रोल यूनिट और 116 बैलेट यूनिट, पंडरिया के लिए 27 कंट्रोल यूनिट और 49 बैलेट यूनिट, पिपरिया के लिए 21 कंट्रोल यूनिट और 42 बैलेट यूनिट, बोड़ला के लिए 21 कंट्रोल यूनिट और 42 बैलेट यूनिट, पांडातराई के लिए 21 कंट्रोल यूनिट और 42 बैलेट यूनिट, इंदौरी के लिए 21 कंट्रोल यूनिट और 42 बैलेट यूनिट, सहसपुर लोहारा के लिए 21 कंट्रोल यूनिट और 43 बैलेट यूनिट तैयार किया गया है। जिले के सभी 7 नगरीय निकाय में वार्डों की संख्या 120 है, जिसमें मतदाताओं की संख्या 78 हजार 817 है। इसके अंतर्गत पुरूष मतदाताओं की संख्या 38 हजार 578, महिला मतदाताओं की संख्या 40 हजार 239 है। इन सभी निकायों में 145 मतदान केंद्र हैं।

जिले के निकाय संबंधित जानकारी

नगर पालिका कवर्धा- यहां वार्ड की संख्या 27 है, जिसमें मतदाता की संख्या 39 हजार 276 हैं। इसके अंतर्गत पुरूष मतदाता 19 हजार 271, महिला मतदाता 20 हजार 05 है। कुल 52 मतदान केंद्र हैं।

नगर पालिका पंडरिया- यहां वार्ड की संख्या 18 है, जिसमें मतदाता की संख्या 14 हजार 715 हैं। इसके अंतर्गत पुरूष मतदाता 7 हजार 150, महिला मतदाता 7 हजार 565 है। यहां 18 मतदान केंद्र हैं।

नगर पंचायत पांडातराईङ्क यहां वार्ड की संख्या 15 है, जिसमें मतदाता 5 हजार 650 हैं। इसके अंतर्गत पुरूष मतदाता 2 हजार 807, महिला मतदाता 2 हजार 843 हैं। कुल 15 मतदान केंद्र हैं।

नगर पंचायत पिपरिया- वार्ड की संख्या 15 है, जिसमें मतदाता 3 हजार 875 हैं। इसके अंतर्गत पुरूष मतदाता 1 हजार 920, महिला मतदाता की संख्या 1 हजार 955 हैं। 15 मतदान केंद्र हैं।

नगर पंचायत इंदौरी- 15 वार्ड हैं, जिसमें मतदाता की संख्या 4 हजार 731 है। इसके अंतर्गत पुरूष मतदाता की संख्या 2 हजार 306, महिला मतदाता की संख्या 2 हजार 425 है। 15 मतदान केंद्र हैं।

नगर पंचायत बोड़ला- 15 वार्ड है, जिसमें मतदाता की संख्या 4 हजार 691 है। पुरूष मतदाता 2 हजार 297, महिला मतदाता 2 हजार 394 है। कुल 15 मतदान केंद्र हैं।

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा- वार्ड की संख्या 15 है, जिसमें मतदाता की संख्या 5 हजार 879 है। इसके अंतर्गत पुरूष मतदाता 2 हजार 827, महिला मतदाता 3 हजार 52 है। कुल 15 मतदान केंद्र हैं।

बालोद में 164 मतदान केंद्रों पर 86 हजार मतदाता करेंगे मतदान

बालोद। बालोद जिले के छह नगर पंचायत और दो नगर पालिका के लिए कल मतदान किया जाना है। इसके लिए सोमवार को कलेक्टर ने बालोद शहर के टाउन हॉल से सभी जिले के मतदान दलों को रवाना किया। कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर मतदान दलों को रवाना किया है। कलेक्टर ने बताया कि बालोद जिले के 164 मतदान केंद्रों में लगभग 86 हजार मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिसके लिए मतदान दल रवाना हुआ है। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह ने बताया कि मशीन का उपयोग कैसे करना है, इसके लिए सभी वार्डों में प्रशिक्षण आयोजन किया जा चुका है और यहां पर किसी तरह की समस्या नहीं रहे, इसलिए विशेष टीम भी बनाई गई है। वार रूम के रूप में कार्य किया जाएगा। मतदाताओं को भी जागरूक किया गया है और व्यवस्थित ढंग से यहां पर चुनाव संपन्न कराया जाएगा।

बीजापुर पुलिस लाइन लाए गए मारे गए नक्सलियों के शव

■ 650 से ज्यादा जवान हुए थे रवाना

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में महाराष्ट्र सीमा से लगे नेशनल पार्क इलाके में रविवार को नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में दो जवान बलिदान और दो घायल हो गए। डीआरजी, एसटीएफ और बस्तर फाइटर के जवानों ने संयुक्त टीम के साथ ऑपरेशन को अंजाम दिया। बता दें कि मुठभेड़ में जवानों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया है।

बीजापुर जिले के फरसेगढ़ थाना क्षेत्र में आज सुबह जिस नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र में मुठभेड़ हुई है। दरअसल वहां मद्देड़ एरिया कमेटी, तेलंगाना स्टेट कमेटी एवं नेशनल पार्क एरिया कमेटी के बड़े नक्सलियों का जमावड़ा रहा।

इसी सूचना के आधार पर डीआरजी, एसटीएफ के करीब 650 से ज्यादा जवानों की पार्टी को लेकर तीन तरफ से रवाना किया गया था। नक्सलियों के शव और दो बलिदान जवानों के शव बीजापुर पुलिस लाइन लाए गए। हथियार भी लाए गए हैं।

पुलिस सुरक्षा बल ने छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर 31 नक्सलियों को मार गिराया है। दो जवान बलिदान हो गए और दो जवान घायल भी हुए हैं। घायल जवानों को निकालने के लिए जगदलपुर से एमआई-17 हेलीकॉप्टर रवाना किया गया है। बस्तर संभाग के आईजीपी सुंदर राज ने एनकाउंटर की पुष्टि की है। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ भी सकती है।

जवान बलिदान- 1. डीआरजी एचसी नरेश धुर्व , भाटापारा , बालोद 2. एसटीएफ, कांस्टेबल वासित रावटे, डोंडी बालोद।

घायल जवान- 1. डीआरजी कांस्टेबल जग्गू कलमू 2. एसटीएफ कांस्टेबल गुलाब मंडावी।

सीएम विष्णुदेव साय ने जताया शोक

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी जवानों के बलिदान होने की सूचना पर जताया शोक। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, %बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में अब तक 12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मुठभेड़ में 2 जवान बलिदान एवं 2 जवान के घायल होने की भी दु:खद खबर प्राप्त हुई है।

आगे कहा कि जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में मार्च 2026 तक हमारा प्रदेश नक्सलवाद मुक्त होकर रहेगा। इस दिशा में सुरक्षाबल के जवान निरंतर सफलता हासिल कर लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। देश-प्रदेश में कैंसर रूपी नक्सलवाद का अंत तय है। ईश्वर से बलिदान जवानों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने व घायल जवानों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

भाटापारा के वीर जवान नरेश ध्रुव को दिया जाएगा गार्ड ऑफ ऑनर

भाटापारा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमें दो जवान बलिदान हो गए। जिसमें से एक जवान का शव उनके गृह जिले में लाया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, पार्थिव शरीर आज उनके गृह जिले बलौदा बाजार में दोपहर दो बजे सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से लाया जाएगा।

जिला मुख्यालय के चक्र प्राणी शुक्ला हाई स्कूल मैदान में उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित होंगे। इसको लेकर प्रशासनिक तैयारी चल रही है। मैदान में श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उन्हें गार्ड आफ ऑनर दिया जाएगा। उनके पार्थिव शरीर को उनके गृह ग्राम गुर्रा, भाटापारा ले जाया जाएगा। जहां राजकीय सम्मान के साथ उनकी अंत्येष्टि की जाएगी।

बीजापुर मुठभेड़ में बलीदान दो जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

बीजापुर। फरसेगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल पार्क के जंगल में रविवार को डीआरजी, एसटीएफ एवं बस्तर फाईटर के संयुक्त बल के साथ नक्सलियों की हुई मुठभेड़ में 31 वर्दीधारी नक्सलियों को ढेर कर दिया था। इस मुठभेड़ में दो जवान डीआरजी में पदस्थ नरेश कुमार ध्रुव (प्रधान आरक्षक) निवासी बलौदाबाजार , एसटीफ में पदस्थ वासित कुमार रावते (आरक्षक) निवासी बालोद बलीदान हो गए, बलीदानी जवानों को बीजापुर के नए पुलिस लाइन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इस दौरान छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी अरुण देव गौतम, डीजी नक्सल ऑपरेशन विवेकानंद सिन्हा , बस्तर आईजी सुंदरराज पी., डीआईजी कमलोचन कश्यप, सहित सीआरपीएफ व पुलिस के अधिकारी एवं बीजापुर विधायक विक्रम शाह मांडवी, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, भाजपा के जिला अध्यक्ष घासी राम नाग ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। बीजापुर पंहुचे शहीदों बलीदानी जवानों के परिवारजनों की आंखों में आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। वहीं इस अभियान में शामिल अन्य जवानों की स्थिति भी भावुक रही। सभी ने गमगीन माहौल में अपने वीर साथियों को श्रद्धांजलि देते हुए नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

एनएमडीसी और आरडीसीआईएस सेल के बीच हुआ समझौता

■ भारत के स्टील उद्योग में साबित होगा नया अध्याय

जगदलपुर। भारत के प्रमुख लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी आरएंडडी सेंटर और आरडीसीआईएस सेल ने स्टील उद्योग के विकास और तकनीकी उन्नति को गति देने के लिए एक (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता एनएमडीसी के निदेशक (तकनीकी) विनय कुमार की उपस्थिति में एनएमडीसी के अधिशासी निदेशक (आरपी एवं पर्यावरण और रेड) एम जयपाल रेड्डी और आरडीसीआईएस, सेल के सीजीएम पी. पाठक ने हाल ही में किया। यह साझेदारी खनिज प्रसंस्करण और कोयला उपयोग में नवाचार लाने के साथ-साथ उन्नत बेनेफिशिएशन तकनीकों के विकास पर केंद्रित है, जिससे निम्न और दुर्बल-ग्रेड के लौह अयस्क को अपग्रेड कर कोयले की प्रसंस्करण क्षमता में सुधार किया जा सकेगा।

इस समझौते के तहत दोनों संगठन कई महत्वपूर्ण पहलों पर मिलकर काम करेंगे, जिनमें लौह अयस्क और चूना पत्थर का सूखा बेनेफिशिएशन, कोयले की प्रवाह क्षमता में सुधार कर च्यूट जामिंग को कम करना, और कोयले के कार्बनाइजेशन व परीक्षण पर शोध करना शामिल है। इसके अतिरिक्त दोनों संगठन तकनीकी जागरूकता

कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे, ताकि ज्ञान-साझा करने और उद्योग में नवीनतम प्रगति को अपनाने में तेजी लाई जा सके।

इस मौके पर एनएमडीसी के निदेशक (तकनीकी) विनय कुमार ने कहा, हम देश की आर्थिक प्रगति और आत्मनिर्भरता में योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। भारत में 2030 तक 300 मिलियन टन क्रूड स्टील उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निम्न और दुर्बल-ग्रेड के लौह अयस्क का सही उपयोग बेहद आवश्यक है। यह समझौता इस लक्ष्य को साकार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस रणनीतिक साझेदारी के जरिए एनएमडीसी का लक्ष्य न केवल संसाधनों की दक्षता में सुधार करना है, बल्कि परिचालन प्रक्रियाओं को अधिक कुशल बनाना और भारत के स्टील क्षेत्र की समग्र प्रगति में योगदान देना है। यह सहयोग न केवल तकनीकी विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि देश की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और औद्योगिक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

इच्छापुर पोल्ट्री फार्म से मुर्गियां व 30 कैरेट अंडे की हुई चोरी

कांकेर। ग्राम इच्छापुर स्थित एक पोल्ट्री फार्म से चोरों ने 200 मुर्गियां और 30 कैरेट अंडों की चोरी कर फरार हे गये। सीसीटीवी फुटेज की जांच में पता चला कि बीती रात करीब 12 बजे तीन अज्ञात चोर फार्म में घुसे और चोरी को अंजाम दिया। जिसके बाद फार्म के मालिक मनोज जायसवाल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मनोज जायसवाल ने बताया कि शुरुआत में मुर्गियों की संख्या में कमी का महज एहसास हुआ था, लेकिन धीरे-धीरे यह स्पष्ट हो गया कि यह चोरी का मामला है। फार्म के मालिक ने बताया कि आज रविवार सुबह जब वे फार्म पहुंचे, तो 200 मुर्गियां और करीब 10 कैरेट अंडे गायब थे। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान की जा रही है और स्थानीय मुर्गी विक्रेताओं से भी जानकारी जुटाई जा रही है। एफआईआर दर्ज कर जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव के लिए पुलिस ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। सोमवार को शहरों के विभिन्न मार्गों से होते हुए फ्लैग मार्च निकाला गया और लोगों से मतदान की अपील की गई। राजनांदगांव में महावीर चौक से विभिन्न मार्गों से होते हुए फ्लैग मार्च निकाला गया। राजनांदगांव जिला प्रशासन ने मतदाताओं से मतदान करने की अपील भी की है। एएसपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि राजनांदगांव में जिले भर में नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर 1250 से अधिक बल तैनात रहेगा। राजनांदगांव जिले में 17 से ज्यादा पार्टी पेट्रोलिंग करेगी। अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर 24 घंटे एमसीपी लगाकर जवानों के द्वारा निगरानी की जाएगी। राजनांदगांव में 235 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 के अंतर्गत राजनांदगांव जिले के सभी 5 नगरीय निकायों में 11 फरवरी 2025 को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान किया जाएगा। नगर पालिक निगम राजनांदगांव में महापौर के 1 पद और वार्ड पार्षद के 51 पदों के लिए निर्वाचन होगा।

मां दंतेश्वरी के मंदिर की दान पेटी से 19 लाख नगद व सोने-चांदी के आभूषण मिले

दंतेवाड़ा । बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर की दान पेटी 6 महीने बाद खोली गई है। दान पेटी से 19 लाख 1 हजार 735 रुपए नगद निकले हैं। इसके साथ ही सोने-चांदी के आभूषण भी मिले हैं। वहीं भक्तों ने संतान प्राप्ति, नौकरी सहित विवाह के लिए माता से मन्नत मांगी और पत्र लिखकर दान पेटी डाल दिया था। मां दंतेश्वरी के मंदिर की मुहरबंद दानपेटियां टेंपल कमेटी व्यवस्थापक और तहसीलदार विनीत सिंह, प्रधान पुजारी हरेंद्र नाथ, सहायक पुजारी लोकेंद्र नाथ की मौजूदगी में खोली गई। इससे पहले 5 अगस्त 2024 को दान पेटियों की राशि की गणना हुई थी। इस बार गणना के मौके पर बीरो मांझी, महादेव नेताम, मुकुंद ठाकुर, सुखराम ठाकुर, शिवचंद्र कतियाररास, डीआर नाग, त्रिनाथ ठाकुर, विजय पटनायक समेत टेंपल कमेटी से जुड़े लोग मौजूद थे।

जंगली सूअर के शिकारी गिरफ्तार

धमतरी। तुमराबहार से जंगली सूअर का शिकार करने वाले 3 आरोपियों को वन विभाग ने गिरफ्तार किया है। एक आरोपी फरार है। इन पर आरोप है कि इन्होंने पोटाश बम लगाकर सूअर का शिकार किया। पकड़े गए तीनों आरोपी धमतरी शहर के स्टेशन पारा के रहने वाले हैं। धमतरी वन रेंज के तुमराबहार के जंगल में जंगली सूअर का मांस बाइक से ले जाते तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। शिकारियों ने बेरहमी से पोटाश बम लगाकर सूअर का शिकार किया और उसका मांस काटकर बेचने की तैयारी में थे। वन विभाग को इसकी भनक लगी और मौके पर पहुंचकर आरोपियों को धर दबोचा। शिकारियों के कब्जे से 24 किलो मांस, हथियार, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और पोटाश बम बरामद किया गया है। धमतरी वन विभाग के रेंजर संदीप सोम ने बताया कि स्टेशन पारा औद्योगिक वार्ड में रहने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने पोटाश बम लगाकर जंगली सूअर का शिकार किया। पोटास बम को तालाब में रखा गया।

ठगों ने बातों में उलझाकर ठग लिए लाखों रुपये के गहने

कोरबा। रायगढ़ जिले में सोमवार की सुबह दिनदहाड़े सिटी कोतवाली के ठीक सामने बाइक सवार चार युवकों ने गुरुद्वारे से घर लौट रही महिला को बातों में उलझाकर लाखों रुपये के जेवरात ठग लिए। इसके बाद लुटेरे फरार हो गए। पीड़ित महिला मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक, मेडिकल संचालक सरबजीत सलूजा की मां विमलारानी (65) सोमवार सुबह गुरुद्वारे से वापस अपने घर लौट रही थी। इस दौरान महिला जब सिटी कोतवाली थाना के सामने पहुंची, तभी बाइक सवार चार युवक महिला के पास पहुंचे और उसे अपनी बातों में उलझाते हुए उसके पहने हुए सोने के आभूषणों की ठगी कर बड़ी आसानी से फरार भी हो गए। परिजनों के अनुसार सोने के आभूषण की कीमत करीब तीन लाख रूपये के आसपास है। सिटी कोतवाली थाना के ठीक सामने दिनदहाड़े ठगी की इस घटना के बाद सिटी कोतवाली पुलिस बुजुर्ग महिला से पूछताछ करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू कर दिया है।

लोफंदी गांव मौत मामले में राजनीति, कांग्रेस के प्रशासन पर गंभीर आरोप

बिलासपुर। लोफंदी में 9 ग्रामीणों की मौत का मामला गरमाता जा रहा है। ग्रामीणों की मौत, कारण, जांच और प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी ने पीड़ित परिवारों के साथ प्रेसवार्ता कर जिला प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किया है। सरकार के इशारे पर प्रशासन पर मामले को दबाने का गंभीर आरोप लगाया है। कांग्रेस ने इस मामले में न्यायिक जांच और पीड़ितों को दस दस लाख रुपए मुआवजा देने की मांग भी की है।

बिलासपुर जिला कांग्रेस कमेटी ने आरोप लगाए हैं कि पूरे घटनाक्रम में प्रशासन की भूमिका संदेहास्पद है।पहले प्रशासन ने मौत के आंकड़ों को छिपाया। फिर मौत के कारणों को लेकर प्रशासन ने अपनी थ्योरी बनाई। प्रशासन इसे फूड प्वॉयजनिंग बता रहा है, जबकि ग्रामीण और पीड़ित कह रहे हैं कि मौत शराब का

सेवन करने से हुई है। इतना ही नहीं प्रशासन जांच में भी जान बूझकर हिला-हवाला कर रहा है

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी ने कहा बिना पोस्टमार्टम के ग्रामीणों के शव परिजनों को सौंप दिए गए, जिनका अंतिम संस्कार भी हो गया। जिनका पोस्टमार्टम हुआ है,उनकी भी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जा रही है। सरकार के इशारे में प्रशासन घटना पर शुरु से पर्दा डालने में लगा है। कांग्रेस की जांच समिति पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी और प्रशासन को बेनकाब करेगी।

कांग्रेस ने मामले में न्यायिक जांच के साथ पीड़ित परिवारों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने की भी मांग की है। पीड़ित परिजनों ने मौत का कारण शराब को बताया है।

गांव में बड़े पैमाने पर लोग शराब का सेवन करते हैं।गांव में अवैध शराब का कारोबार चलता है।जिस पर शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौत हुई है- पीड़ित परिजन

बिलासपुर के लोफंदी गांव में बीते 4 दिनों में 9 लोगों की मौत हो गई है। जिसमें देव कुमार पटेल, शत्रुहन देवांगन, कन्हैया पटेल, कोमल लहरे, बलदेव पटेल, कोमल देवांगन ऊर्फ नानू, रामू सुनहले, पवन कश्यप और बुधराम पटेल शामिल हैं। ग्रामीणों के मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। मौत को लेकर अलग-अलग तरह की चर्चाएं हैं। प्रशासन इसे फूड प्वॉयजनिंग और अन्य कारणों से जोड़ रहा है। वहीं ग्रामीण शराब सेवन से मौत होना बता रहे हैं।

इन ग्रामीणों की मौत एक के बाद एक हुई। इसके बाद बिना पोस्टमार्टम के ही शवों का पोस्टमार्टम कर दिया गया। इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित परिजनों का कहना है कि मृतकों में अधिकांश शराब का रोजाना सेवन करने वाले थे। पीड़ित परिजनों ने इसके साथ ही फूड प्वॉयजनिंग से इनकार किया है। बहरहाल 9 ग्रामीणों की मौत हो चुकी है। 5 गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। उसके बावजूद ग्रामीणों के मौत पर सवाल बना हुआ है।

निर्दलीय उम्मीदवार खुद पर करवा सकते हैं हमला

■ पेंड्रा से कांग्रेस प्रत्याशी बोले- मेरे विरोधी को सुरक्षा दें

गौरेला पेंड्रा मरवाही। नगर निकाय चुनाव 2025 में एक अनोखा मामला सामने आया है। जहां आमतौर पर प्रत्याशी खुद की सुरक्षा की मांग करते हैं। वहीं पेंड्रा नगर पालिका परिषद के कांग्रेस प्रत्याशी पंकज तिवारी ने अपने प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी राकेश जालान की सुरक्षा की मांग कर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है।

पूरा मामला कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी पंकज तिवारी की माने तो उन्हें सूचना मिली है कि निर्दलीय प्रत्याशी राकेश जालान अपने ऊपर एक

काल्पनिक हमला करवा सकते हैं। इसके लिए उन्हें किसी प्रकार के षड्यंत्र में फंसाने की योजना बना सकते हैं।

तिवारी का कहना है कि यह षड्यंत्र उनकी छवि खराब करने और चुनाव में राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से किया जा सकता है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि निर्दलीय प्रत्याशी को सुरक्षा प्रदान की जाए ताकि ऐसी किसी भी फर्जी घटना को अंजाम न दिया जा सके और चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हो।

वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी राकेश जालान ने इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सिर्फ चुनावी स्टंट है। और वे पूरी तरह से जनता के बीच चुनाव लड़ रहे हैं और कांग्रेस प्रत्याशी अपनी हार के डर के चलते ऐसा कर रहे है। इस घटनाक्रम के बाद पेंड्रा नगर पालिका चुनाव नई बहस का केंद्र बन गया है। मतदाता भी इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अलग-अलग राय व्यक्त कर रहे हैं। कुछ इसे कांग्रेस प्रत्याशी की सतर्कता मान रहे हैं, तो कुछ इसे राजनीतिक चाल बता रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा महापौर प्रत्याशी पूजा विधानी के जाति प्रमाण पत्र पर 12 को होगी सुनवाई

बिलासपुर। भाजपा महापौर प्रत्याशी एल. पद्मजा (पूजा विधानी) के जाति प्रमाण पत्र से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध न कराए जाने के मामले में हाईकोर्ट ने सुनवाई की तिथि बढ़ाकर 12 फरवरी कर दी है। बसपा महापौर प्रत्याशी आकाश मौर्य ने भाजपा प्रत्याशी एल. पद्मजा (पूजा विधानी) के पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र के दस्तावेजों की मांग की थी, लेकिन रिटर्निंग अधिकारी द्वारा दस्तावेज न सौंपे जाने पर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। इस मामले में आज 10 फरवरी को सुनवाई निर्धारित थी। जस्टिस बी. डी. गुरु की बेंच ने इस याचिका पर अगली सुनवाई 12 फरवरी को करने का निर्णय लिया है। वहीं महापौर और पार्षद पद के लिए मतदान कल 11 फरवरी को होगा।

आईएएस रिचा प्रकाश चौधरी केंद्रीय वाणिज्य विभाग में उप सचिव नियुक्त

रायपुर। 2014 बैच की छत्तीसगढ़ कैडर की आईएएस अधिकारी रिचा प्रकाश चौधरी को केंद्र में बड़ी जिम्मेदारी देते हुए वाणिज्य विभाग में उप सचिव नियुक्त किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से मुख्य सचिव को पत्र किया गया है। इसमें बताया गया है कि केंद्रीय स्टाफिंग स्कीम के तहत आईएएस रिचा प्रकाश चौधरी को वाणिज्य विभाग में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। चार साल का कार्यावधि पदभार ग्रहण करने के साथ शुरू होगी। इसके साथ ही पत्र जारी होने के तीन सप्ताह के भीतर पदभार ग्रहण करने के लिए निर्देशित किया गया है। बता दें कि वर्तमान में दुर्ग कलेक्टर रिचा प्रकाश चौधरी छत्तीसगढ़ कैडर की 2014 बैच की आईएएस हैं। राजस्थान के कोलिडा की रहने वाली रिचा प्रकाश का जन्म 8 जनवरी 1989 को हुआ है। कंप्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग के बाद राजनीति शास्त्र से एमए किया है। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 44 वें रैंक के साथ यूपीएससी परीक्षा पास की।

चेंबर चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारियों की हुई नियुक्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के त्रैवार्षिक चुनाव वर्ष 2025 के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी शिवराज भंसाली ने सभी निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश स्तर के मतदान केन्द्र एवं क्षेत्रीय निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति की। उक्त आशय कर जानकारी देते हुए निर्वाचन अधिकारी प्रकाशचन्द गोलछा ने बताया कि मुख्य चुनाव अधिकारी शिवराज भंसाली ने अपने सहयोगी निर्वाचन अधिकारियों से विचार-विमर्श कर अंबिकापुर में भी मतदान केन्द्र बनाये जाने का निर्णय लिया। इस तरह अब 10 चरणों में मतदान होंगे व मतदान कराने हेतु सहयोगी के रूप में निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति की गई एवं आवश्कतानुसार और भी निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति की जावेगी। निर्वाचन अधिकारी प्रकाशचन्द गोलछा ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश स्तर पर दस मतदान केन्द्र बनाये गये हैं, यथा- अंबिकापुर, मनेन्द्रगढ़, धमतरी, रायगढ़, बिलासपुर, राजनांदगांव तथा, भिलाई एवं रायपुर में दो चरणों में मतदान होंगे। साथ ही अंबिकापुर एवं मनेन्द्रगढ़ में निर्वाचन अधिकारी अनिल कुचेरिया द्वारा मतदान स्थल का निरीक्षण किया गया। उक्त बैठक में शिवराज भंसाली, प्रकाशचन्द गोलछा, बालकृष्ण दानी, के.सी.माहेश्वरी, अनिल कुचेरिया, संजय देशमुख, संजय जोशी, एस.एम. रावते, एच.एस.कर प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पूर्व महापौर को नोटिस, बढ़ सकती हैं मुश्किलें

रायपुर। शराब घोटाले में ईओडब्ल्यू व एसीबी द्वारा पूर्व महापौर ढेबर व उनके करीबी रिश्तेदारों को नोटिस भेजने से सियासी माहौल गरमा गया है, चूंकि आज निगम चुनाव के लिए मतदान हैं और ढेबर व उनकी पत्नी स्वंय पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि जांच में मिले तथ्यों के आधार पर नोटिस दिया जाना बताया जा रहा है,लेकिन आगे जाकर ढेबर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ये भी जानाकारी आ रही है कि चुनाव में व्यस्तता को लेकर ढेबर ने फिलहाल पूछताछ से छूट मांगी है। वहीं इस मामले में न तो कांग्रेस पार्टी व और न ही ढेबर ने कोई भी बयान नहीं दिया है। लेकिन मीडिया में आई खबरों के आधार पर सियासी चर्चा छिड़ गई है। बता दें इसी मामले में पूर्व मंत्री सहित कई अभी जेल में हैं और कई के नाम ईओडब्ल्यू के एफआईआर में शामिल हैं।

1 अप्रैल से रायपुर में शुरू हो रहे कार्गो सेवा का चेंबर ने किया स्वागत

रायपुर। चेंबर द्वारा पूर्व में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, 16 वें वित्त आयोग अध्यक्ष, डॉ अरविंद पनगढिया जी एवं सांसद रायपुर लोकसभा क्षेत्र श्री बृजमोहन अग्रवाल को चेंबर द्वारा रायपुर में कार्गो हब बनाने ज्ञापन सौंपा गया था जिसके फलस्वरुप 4 साल बाद रायपुर में 1 अप्रैल से कार्गो सेवा शुरू होने जा रहा है जिसके लिए चेंबर, प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करता है। रायपुर विमानतल देश के बिल्कुल मध्य में स्थित होने के कारण देश के किसी भी कोने से दो घंटे के अंदर कोई भी सामान भेजा और मंगाया जा सकता है। चूँकि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है, रायपुर से फल, सब्जियाँ एवं फूल इत्यादि दूसरे शहरों को भेजा जाता है।

कड़ी सुरक्षा के बीच ईवीएम लेकर मतदान दल रवाना

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव में सोमवार 11 फरवरी का दिन महत्वपूर्ण हैं, इस दिन प्रदेश के तमाम नगरीय निकायों के मतदाता महापौर और पार्षद प्रत्याशियों की किस्मत तय करेंगे। कल के मतदान के लिए आज मतदान दलों को मतदान सामग्रियों का वितरण कर कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान केंद्र के लिए रवाना किया गया।

रायपुर नगर निगम के सभी 10 जोन और 70 वार्ड के लिए सेजबहार स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज से मतदान दलों को मतदान पेटियों का वितरण किया गया। प्रदेश की राजधानी में अन्य शहरों की तरह अध्यक्ष और पार्षद पद के लिए भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर है। रायपुर में महापौर पद के लिए एक तरफ कांग्रेस से दीप्ति प्रमोद शर्मा, तो दूसरी ओर भाजपा की ओर से मीनल चौबे प्रत्याशी हैं।

इसी तरह बिलासपुर नगर निगम सहित जिले के नगरीय निकायों के लिए मतदान दलों को सामग्री वितरण किया गया। बिलासपुर नगर निगम में भाजपा की ओर से जहां पूजा विधानी तो दूसरी ओर कांग्रेस की ओर से प्रमोद नायक मैदान में हैं। नगर निगम क्षेत्र में 70 वार्डों में मतदान के लिए 509 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। महापौर सहित पार्षद प्रत्याशियों की किस्मत निगम क्षेत्र के 506162 मतदाता तय करेंगे, जिनमें से 2,54,771 महिला और 2,51,322 पुरुष मतदाता हैं।

अंबिकापुर नगर निगम के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतदान दलों को चुनावी सामग्री का वितरण कर मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। नगर निगम क्षेत्र में 1 लाख 21 हजार 454 मतदाता हैं, जिनके लिए शहर के 48 वार्डों में 143 बूथ बनाए गए हैं। इनमें से 8 मतदान केंद्रों को राजनीतिक तौर पर जिला निर्वाचन आयोग ने संवेदनशील घोषित किया है।

इसी कड़ी मे महासमुंद जिले के तीन नगर पालिका एवं तीन नगरपंचायत के लिए बनाए गए 6 अलग - अलग स्ट्रांग रुम से आज सुबह 7 बजे से ही मतदान सामग्री वितरण किया जा रहा है। जिले के 3 नगरपालिका - महासमुंद, बागबाहरा और सरायपाली और 3 नगर पंचायत - तुमगांव, पिथौरा, बसना के लिए कुल 144 मतदान केन्द्र बनाये गए है। महासमुंद नगर पालिका में 60, बागबाहरा नगर पालिका में 21, सरायपाली नगर पालिका में 18, तुमगांव नगर पंचायत में 15, पिथौरा नगर पंचायत में 15 और बसना नगर पंचायत के लिए 15 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

गौरतलब है कि महासमुंद जिले के 6 नगरीय निकायों में कुल एक लाख 3 हजार 692 मतदाता हैं, जिसमें पुरुष मतदाता 49 हजार 408, महिला मतदाता 54 हजार 271 और तृतीय लिंग के 13 मतदाता हैं। मतदाता 5 अध्यक्ष और 102 पार्षदों प्रत्याशियों के लिए 11 फरवरी को मतदान करेंगे, इनमें से एक अध्यक्ष और तीन पार्षद पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

राजनांदगांव जिले में कल राजनांदगांव नगर निगम के अलावा डोंगरगढ़ नगर पालिका, छुरिया नगर पंचायत और डोंगरगांव नगर पंचायत, एल्बी नगर नगर पंचायत के लिये मतदान होना है। मतदान के लिए मतदान सामग्री एवं ईवीएम मशीन का कृषि उपज मंडी समिति के नव निर्मित गोदाम से वितरण किया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान दल को रवाना किया जा रहा है।

नगरीय निकाय चुनाव : शिव डहरिया ने रायपुर निगम के पार्टी प्रत्याशियों में भरा जोश

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव में मतदान से एक दिन पहले कांग्रेस रायपुर नगर निगम में अपने सारे समीकरण सही करने में जुटी है। इस कड़ी में रायपुर नगर निगम चुनाव प्रभारी शिव डहरिया ने बैठक लेकर निगम क्षेत्र के पार्टी प्रत्याशियों में जोश भरा। इसके साथ ही कांग्रेस मतदाताओं को बूथ तक लाने का गुरु मंत्र बताया।

कांग्रेस की महापौर प्रत्याशी दीप्ति दुबे के अलावा निवृत्तमान निगम सभापति प्रमोद दुबे, पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ पार्टी नेताओं की मौजूदगी में आयोजित बैठक में प्रत्याशियों के साथ पार्टी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान को लेकर चर्चा हुई। इसके साथ ही प्रत्याशियों को मतदान प्रक्रिया की पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। कांग्रेस प्रत्याशियों की बैठक को लेकर पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा कि कांग्रेस में पूरा जोश है। भाजपा के समय में नगरीय निकायों की स्थिति बत से बत्तर हुई है। शहर में भाजपा की सरकार में कोई काम नहीं हुआ है। इनके समय में तीन महीने में हड़ताल शुरू हो गया था, इससे जनता में भारी नाराज है, जिसका फायदा हमारे पार्षद और महापौर प्रत्याशी को मिलेगा। भाजपा की ओर से रायपुर नगर निगम के लिए अलग से घोषणा पत्र जारी करने को लेकर शिव डहरिया ने कहा कि भाजपा की सरकार की घोषणा खाली घोषणा है। किसानों को प्रति क्विंटल 3100 रुपए देने, महिलाओं को सिलेंडर देने का वादा किया था, लेकिन अब तक दिया नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही विकास किया है, और इस बार भी कांग्रेस ही विकास करेगी। चुनाव में शराब बेचने के आरोप पर शिव डहरिया ने कहा कि भाजपा ये सभी काम कर रही है। भाजपा के लोग शराब बेचने का काम करते हैं। वहीं बृजमोहन अग्रवाल जैसे बड़े लोगों धमकाने का काम कर रहे हैं। आने वाले चुनाव में कांग्रेस को लाभ होगा।

ये दस्तावेज हैं तो ही डाल पाएंगे वोट

रायपुर। नगर पालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2025 के लिए मतदान केन्द्र पर मतदाता की पहचान स्थापित करने के लिए 18 प्रकार के दस्तावेजों को मान्य किया गया है। आईए जानते हैं वो कौन से दस्तावेज हैं जिन्हें दिखाकर आप भी मतदान कर सकते हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी की दस्तावेजों की सूची

भारत निर्वाचन आयोग से मिला मतदाता पहचान पत्र, बैंक / डाकघर फोटोयुक्त पासबुक, पासपोर्ट, आयकर पहचान-पत्र, आधार कार्ड,

राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या स्थानीय निकाय अथवा अन्य निजी औद्योगिक संस्थानों द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किए जाने वाले फोटोयुक्त सेवा पहचान-पत्र, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, मनरेगा जॉब कार्ड, फोटोयुक्त स्वास्थ्य बीमा योजना (स्मार्ट) कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, स्वतंत्रता सेनानी फोटोयुक्त पहचान-पत्र, केन्द्रीय अथवा छग राज्य माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा जारी दसवीं एवं बारहवीं की फोटोयुक्त अंकसूची, बार काउंसिल द्वारा अधिवक्ताओं को जारी फोटोयुक्त परिचय-पत्र, फोटोयुक्त नि:शक्तता प्रमाण-पत्र, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी वैध फोटोयुक्त राशन कार्ड, महाविद्यालय अथवा विद्यालय द्वारा जारी फोटोयुक्त छात्र पहचान-पत्र, फोटोयुक्त शस्त्र लायसेंस, छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग से तैयार सॉफ्टवेयर SEC-ER द्वारा Online जनरेटेड मतदाता पहचान पर्ची को मान्य किया गया है।

कैसे करें पर्ची डाउनलोड -

ये पर्ची आयोग की वेबसाईट पर दिये गये लिंक से मतदाता के द्वारा डाउनलोड की जा सकती है, इसके लिए cgsec.gov.in वेबसाईट में जाकर VOTER SEARCH & PRINT - URBAN एवं से VOTER SEARCH & PRINT - RURAL नामवार Search करके अपना मतदान केन्द्र का विवरण देखकर प्रिंट कर सकते हैं।

मतदाता उपरोक्त में से कोई भी एक फोटोयुक्त पहचान-पत्र मतदान केन्द्र पर लेकर जाएगा और पीठासीन अधिकारी से पहचान करवाने के बाद वो अपना वोट डाल सकता है।

नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में मिली ऐतिहासिक सफलता पर साय ने दी सुरक्षाबलों को बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता को नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य के लिए एक बड़ा कदम बताते हुए कहा कि बस्तर अब गनतंत्र से गणतंत्र की ओर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के कुशल नेतृत्व को इस सफलता की बुनियाद बताया। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में मार्च 2026 तक हमारा प्रदेश नक्सलवाद मुक्त होकर रहेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शी नीति और प्रभावी रणनीति के कारण सुरक्षाबलों को लगातार सफलता मिल रही है और हम लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों द्वारा मुठभेड़ में 31 नक्सलियों के मारे जाने को एक बड़ी सफलता करार दिया और वीर जवानों की बहादुरी को नमन किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल के जवानों ने नक्सलियों के गढ़ में घुसकर जिस प्रकार इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, वह उनकी असाधारण वीरता और रणनीतिक दक्षता को दर्शाता है। उन्होंने इस मुठभेड़ में दो वीर जवानों की शहादत और दो अन्य जवानों के घायल होने पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब निर्णायक मोड़ पर है। नक्सलवाद की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है, और अब प्रदेश में केवल विकास, शांति और सुरक्षा का वातावरण स्थापित होगा। हम 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त कर देंगे। यह केवल एक घोषणा नहीं, बल्कि सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता और प्रदेश के हर नागरिक से किया गया वादा है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध सुरक्षाबलों की सफलता और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से अब बस्तर में सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की दस्तक सुनाई दे रही है।

अवैध तरीके से रह रहे 3 बांग्लादेशी नागरिकों को किया गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई एटीएस (एंटी टेररिज्म स्क्वाड) और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से की। पुलिस ने इन आरोपियों के कब्जे से फर्जी दस्तावेज भी बरामद किये है। पूछताछ के दौरान कई बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, हाल ही में सुरक्षा एजेंसियों को सूचना मिली थी कि रायपुर में कुछ विदेशी नागरिक फर्जी पहचान के सहारे रह रहे हैं। इस इनपुट के आधार पर एटीएस और पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त जांच शुरू की। जांच के दौरान तीन संदिग्धों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। जब पुलिस ने उनके भारतीय पहचान पत्र और अन्य सरकारी दस्तावेज की जांच की, तो पाया गया कि उनके पास मौजूद दस्तावेज फर्जी निकले। इसके बाद टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को हिरासत में ले लिया।

कैसे बने थे फर्जी दस्तावेज?

प्रारंभिक जांच के बाद आशंका जाते जा रही है कि गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिकों ने दलालों की मदद से भारतीय नागरिकता से जुड़े फर्जी दस्तावेज बनवाए होंगे। ये दलाल अवैध प्रवासियों को नकली पहचान पत्र बनवाने में मदद करते हैं, जिससे वे भारत में आसानी से रह सकें और विभिन्न सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान ?

1 मोहम्मद इस्माईल (27 वर्ष)
पिता का नाम: शेख शमसुद्दीन
मूल निवासी: नाभरन, जिला जैसोर, प्रांत खुलना, बांग्लादेश
वर्तमान पता: मिश्रा बाड़ा, ताजनगर टिकरापारा, रायपुर

2 शेख अकबर (23 वर्ष)
पिता का नाम: शेख शमसुद्दीन
मूल निवासी: नाभरन, जिला जैसोर, प्रांत खुलना, बांग्लादेश
वर्तमान पता: मिश्रा बाड़ा, ताजनगर टिकरापारा, रायपुर

3 शेख साजन (22 वर्ष)
पिता का नाम: शेख शमसुद्दीन
मूल निवासी: नाभरन, जिला जैसोर, प्रांत खुलना, बांग्लादेश।

रायपुर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इन्हें अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस उनकी रिमांड की मांग करेगी ताकि उनसे गहराई से पूछताछ की जा सके।

यह मामला सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और रायपुर समेत राज्य के अन्य शहरों में भी अवैध प्रवासियों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि वे ऐसे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करेंगे। रायपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह कार्रवाई राज्य की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हम किसी भी संदिग्ध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेंगे। अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ हमारी मुहिम जारी रहेगी।

निर्दलीय प्रत्याशी ने भाजपा प्रत्याशी को पैसा बांटते रंगे हाथ पकड़ा

विवाद बढ़ा तो नाले में फेंक दिया लिफाफा

बिलासपुर। नगरीय निकाय चुनाव में मतदान के पहले प्रत्याशी पैसे बांटकर मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं। ऐसे ही एक मामले में निर्दलीय प्रत्याशी ने भाजपा प्रत्याशी को पैसा बांटते रंगे हाथ पकड़ा। इस मामले में जब विवाद बढ़ा तो प्रत्याशी ने नोटों से भरा लिफाफा नाले में फेंक दिया। पूरे वाकये का वीडियो वायरल हो रहा है।

मामला बिलासपुर नगर निगम के वार्ड क्रमांक 7 कालिका नगर का है, जहां से भाजपा प्रत्याशी श्याम कार्तिक वर्मा आज सुबह मतदाताओं को पैसे बांटने के लिए अपने पास लिफाफे रखे हुए थे। इसकी जानकारी होने पर निर्दलीय पार्षद प्रत्याशी जितेंद्र भावे ने मौके पर जाकर श्याम वर्मा को रोका। जब अन्य लोगों ने इसका विरोध किया गया तो श्याम वर्मा ने पैसों से भरे लिफाफे को नाली में फेंक दिया।

घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें भाजपा प्रत्याशी श्याम कार्तिक वर्मा को निर्दलीय प्रत्याशी जितेंद्र भावे पहले समझाते हैं कि मना करने के बाद भी चुनाव में गड़बड़ कर रहे हो। इस दौरान अन्य व्यक्ति कहता है लगाऊं फोन, श्याम वर्मा कहता है, किसे लगना है। जवाब आता है चुनाव आयोग को फोन लगता हूं ना। जिसके बाद श्याम वर्मा पलटकर जेब में रखे लिफाफे को नाले में फेंक देता है। निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थक नाले में कूदकर फेंके गए लिफाफों को बाहर निकलते हैं। लिफाफों को जब खोल कर देखा गया तो उसमें से 200 रुपए के नोट मिले।

कांग्रेस पर भाषण चोरी करने का लगा आरोप

- सीएम सलाहकार पंकज झा बोले- INCIndia से निरीह राजनीतिक दल और कोई नहीं

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव प्रचार के बीच सीएम साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि INCIndia से निरीह राजनीतिक दल और कोई नहीं है।

पंकज झा ने अपने ट्वीट में लिखा कि आज की तारीख में @INCIndia से निरीह राजनीतिक दल और कोई नहीं है। आपने देखा, इन्होंने छत्तीसगढ़ भाजपा का नारा चुराया दिल्ली चुनाव में, जिसकी देश भर में चर्चा और थू-थू हुई। आपने देखा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ भाजपा का घोषणा पत्र ही चुरा लिया। उसके भी आप सभी साक्षी हैं। अब कांग्रेस ने भाजपा का न केवल भाषण, अपितु हमारी आवाज तक चोरी कर ली है। प्रदेश में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का भाषण उन्हीं की भाषा, उन्हीं की आवाज में चला कर कांग्रेस प्रत्याशी वोट मांग रहे।

वीडियो में देखा जा सकता है कि कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी अपने चुनाव प्रचार के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की आवाज में उन्ही के भाषण को चलाकर वोट मांग रहे हैं। जिसे लेकर सीएम मीडिया सलाहकार पंकज झा ने भाषण चोरी करने का आरोप लगाया है।

परीक्षा पे चर्चा: प्रधानमंत्री से मिली छत्तीसगढ़ की बेटी युक्तामुखी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के आठवें संस्करण में छत्तीसगढ़ से राजधानी रायपुर की छात्रा युक्तामुखी साहू शामिल हुई। उन्होंने पीएम मोदी से परीक्षा को लेकर सवाल भी किए। युक्तामुखी ने लल्लूराम डॉट कॉम से बातचीत करते हुए अपना अनुभव साझा किया।

युक्तामुखी साहू ने बताया कि उसने कभी सोचा नहीं था कि प्रधानमंत्री से मिलने का कभी मौका मिलेगा। ये उसके लिए कभी न भूल पाने वाला अनुभव है। छात्रों के साथ पीएम मोदी ने पूरे एक घंटे तक बातचीत की। कार्यक्रम में देश के सभी राज्यों से कुल 36 विद्यार्थी शामिल हुए थे।

युक्तामुखी और मोदी के बीच का संवाद

युक्तामुखी- उम्मीद के मुताबिक नतीजे न मिलने पर नेगेटिविटी को मैनेज कैसे करें?

पीएम मोदी- ये आप खुद सोचती हैं या कोई और कहते हैं?

युक्तामुखी- बोर्ड में 95त्न लाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन 93त्न ही आया। इसके चलते वो काफी हताश हो गई थी। जितना परसेंटेज आने थे वो नहीं आए इसलिए सोच नेगेटिव हो गई।

पीएम मोदी- मैं इसे सक्सेस मानता हूं। टारगेट ऐसा बनाओ जो पहुंच में हो, लेकिन पकड़ में न हो। अगली बार 97 टारगेट रखोगी तो 95 लेकर आओगे। गर्व इस बात का है कि आपने टारगेट ही 95 सेट किया। एक ही चीज को आप अलग तरह से देखिए।

पीएम का जवाब सुनकर सोचने का नजरिया बदल गया : युक्तामुखी

युक्तामुखी ने बताया कि मेरे सवाल पर पीएम के जवाब सुनकर सोचने का नजरिया ही बदल गया। पीएम मोदी हर सवाल का जवाब कहानियों के जरिये देते थे, जो उनके अनुभव से प्रेरित होता था। सही समय पर जिस मोटिवेशन की जरूरत थी वो मुझे मिला है। उन्होंने कहा कि मैंने अपना एक्सपीरियंस अपने दोस्तों को बताया और स्कूल के स्टेज में भी मैंने सबके के सामने बात की। मुझे बेहद अच्छा लग रहा है। मैं आगे अपने लक्ष्य के प्रति सभी बातों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ूंगी।

बता दें कि युक्तामुखी साहू रायपुर के मायाराम सुरजन हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा है, जिनका चयन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम के लिए हुआ था। यह कार्यक्रम 27 जनवरी को दिल्ली में आयोजित थी, जिसमें युक्ता ने पीएम मोदी से सवाल पूछा था। इस चर्चा में देशभर के 5 करोड़ लोगों ने सहभागिता ली, जिसमें छत्तीसगढ़ सबसे आगे रहा। यहां से 20 लाख बच्चों ने परीक्षा पे चर्चा में सहभागिता ली। वहीं छत्तीसगढ़ के कुल 9 बच्चों के सवाल पीएम मोदी तक पहुंचे। आज राजधानी के डीडी ऑडिटोरियम में 卐परीक्षा पे चर्चा卐 कार्यक्रम के प्रसारण के दौरान सीएम विष्णुदेव साय के साथ युक्तामुखी साहू भी मौजूद रहीं, जहां सीएम से भी उन्होंने अपने अनुभव साझा किए।

अब कांग्रेस का क्या होगा?

नीरजा चौधरी

दिल्ली विधानसभा चुनाव में छब्बीस साल बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत और आम आदमी पार्टी (आप) की हार का असर पूरे देश की राजनीति पर पड़ने वाला है। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों, जिसने लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिले तगड़े झटके के बाद उसे एक नई गति प्रदान की थी, की तुलना में यह चुनाव ज्यादा महत्वपूर्ण है। दिल्ली का चुनाव देश की राजनीति के लिए और भाजपा एवं आप के लिए तो अहम है ही, यह कांग्रेस के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। आज लोग भाजपा की शानदार जीत और आम आदमी पार्टी की हार की ही बातें नहीं कर रहे हैं, बल्कि दिल्ली के सियासी गलियारों में ज्यादा चर्चा कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर हो रही है। लोग पूछ रहे हैं कि कांग्रेस ने इतना खराब प्रदर्शन क्यों किया। लोकसभा चुनाव के विपरीत विधानसभा चुनाव में आप से अलग होकर लड़ने का कांग्रेस का फैसला कितना सही था? इस निर्णय के पीछे मकसद यह था कि यदि आप खत्म हो जाए, तो फिर दिल्ली में उसे पनपने के लिए खुली जगह मिल जाएगी। लेकिन क्या राजनीति ऐसे काम करती है? आज अगर कांग्रेस कम से कम चार-पांच सीटें जीत जाती और अपने वोट शेयर में दस-पंद्रह प्रतिशत का इजाफा करती, तो इस तरह का दावा वह कर सकती थी। लेकिन कांग्रेस का वोट शेयर दो प्रतिशत भी नहीं बढ़ा है और वह लगातार तीसरी बार एक भी सीट नहीं जीत पाई है। कांग्रेस में कई लोग ऐसे हैं, जो मानते हैं कि आप के साथ चुनाव नहीं लड़ने का फैसला सही था। हम देखते हैं कि 13 सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस प्रत्याशी को जितना वोट मिला, उससे कम मतों के अंतर से आम आदमी के प्रत्याशियों की हार हुई है। अरविंद केजरीवाल समेत आप के बड़े-बड़े नेता विधानसभा चुनाव हार गए हैं और इसके पीछे कांग्रेस का अलग होकर चुनाव लड़ना प्रमुख वजह है। अगर दोनों मिलकर इकट्ठे लड़ते, तो खासकर उन सीटों पर इसका खासा असर पड़ता, जहां मुसलमान या दलित बहुल आबादी है। इन दोनों समुदायों का आप और कांग्रेस की तरफ झुकाव था, जो दोनों के अलग-अलग लड़ने के कारण बंट गया। ठीक है कि लोकसभा चुनाव में मिलकर लड़ने के बावजूद आप और कांग्रेस, कुछ हासिल नहीं कर पाई, लेकिन विधानसभा चुनाव का गणित लोकसभा से अलग रहता है। जब 2015 में नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता चरम पर थी, तब भी आम आदमी पार्टी ने 70 में 67 सीटों पर जीत दर्ज की थी, फिर 2020 में 62 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि लोकसभा चुनावों में लगातार भाजपा दिल्ली की सातों सीटों पर जीत रही थी। कांग्रेस को आत्मविश्लेषण करना होगा कि क्या इस समय अकेले चुनाव लड़ना उसके भविष्य के लिए फायदेमंद है? कांग्रेस के भीतर इसको लेकर भारी कश्मकश की स्थिति है। क्या दिल्ली में उसका दुश्मन नंबर एक भाजपा थी या आप? इन चीजों को लेकर स्पष्टता नहीं है, भ्रम की स्थिति है, इस वजह से सब गड़बड़ हो रहा है। अब दूसरी बात इंडिया गठबंधन को लेकर है, क्योंकि दिल्ली के नतीजे का असर उस पर भी पड़ेगा, क्योंकि किसी भी विपक्षी पार्टी के कमजोर होने का मतलब है भाजपा का और मजबूत होना। यह सभी विपक्षी दलों को प्रभावित करेगा। इंडिया गठबंधन में इससे दरार आई है। उमर अब्दुला ने तो खुलेआम तंज करते हुए कहा कि और लड़ो आपस में, देखो क्या होता है। तो क्या इंडिया गठबंधन की यह रणनीति है कि लोकसभा में हम मिलकर भाजपा से लड़ेंगे और विधानसभा चुनाव में आपस में लड़ेंगे? तो जब राज्यों में अलग-अलग ही लड़ना है, तो फिर इंडिया गठबंधन की जरूरत क्या है? जहां तक संसद में मुद्दे उठाने की बात है, तो वह तो विपक्षी दल पहले भी मिलकर उठा ही रहे थे। इंडिया गठबंधन की भूमिका क्या है, प्रासंगिकता क्या है, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है। अगर कांग्रेस को लगता है कि उसे इंडिया गठबंधन की जरूरत नहीं है और उसे अकेले चुनाव लड़ना चाहिए, तो उस तरह की तैयारी करनी चाहिए, चाहे इसमें पांच साल लगे या दस साल। उसे जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना चाहिए और 2029 के बारे में नहीं सोचना चाहिए। अगर उसे 2029 के बारे में सोचना है, तो गठबंधन को प्रमुखता देनी होगी। तीसरी बात, कांग्रेस के जो प्रत्याशी हारे हैं, वे भी और बाकी लोग भी यही बात कर रहे हैं कि बूथ लेवल तक पार्टी का संगठन ही नहीं है। कार्यकर्ता हैं नहीं, तो कौन मतदाताओं को वोट देने के लिए बूथ तक लाएगा?

गढ़ भी नहीं रहा और सेनापति भी नहीं

उमेश चतुर्वेदी

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था। अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही।

अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अन्ना के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को कितनी उम्मीदें थीं कि अन्ना का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का-दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड-छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ लेकर अरूणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरियाभरी राह का सपना थीं। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वायदे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गए। झूठ और फरेब की राजनीति को ही उन्होंने अपनी सियासी आदत बना लिया। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण,. वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके साथ रहे उनके आंदोलन के दिनों के साथी मनीष सिसोदिया और स्वाति मालीवाल। हालांकि उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी।

केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए। मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं।

केजरीवाल के दौर में हवा-हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए। शुरू में उनकी बहानेबाजी तो चली,लेकिन बाद में लोगों ने समझना शुरू कर दिया कि वे सिर्फ हवा-हवाई दावे करते हैं और बहानेबाजी के जरिए खुद को बचा ले जाते हैं। 2022 में पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रूपए महीने देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाए। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को फ्री सहूलियत देने के चलते पंजाब रोडवेज घाटे में है। इसकी वजह से महीनों तक कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। सूचना और संचार क्रांति के दौर में ये सारी बातें दिल्ली की जनता तक पहुंचती रहीं। इसका असर यह हुआ कि केजरीवाल से लोगों का भरोसा खत्म हो गया।

पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और उनके विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 21 सौ रूपए महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। लेकिन बाद में बीजेपी ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना पंद्रह सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2500 रूपए महीने की सम्मान निधि देने और 200 की बजाय 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसे ऐलान किए। इसका असर वोटरों पर दिखा। इस बीच बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिए। मंडल स्तर तक बड़े नेताओं को जिम्मेदारी दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। भारतीय जनता पार्टी ने बुनियादी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया, जिन्हें मनाने की जरूरत थी, उन्हें मनाया, सबके योग्य जिम्मेदारी दी। सभी कार्यकर्ता सक्रिय हुए। उन्होंने जमीनी स्तर तक काम किया। इसका असर चुनावों में दिखा। केजरीवाल की पार्टी पस्त रही। खुद केजरीवाल भी हारे हैं, उनके विश्वस्त मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राखी बिड़लान जैसे नाम चुनावी जंग में खेत रहे हैं।

बीजेपी की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस भी है। हालांकि उसे पिछले चुनाव की तुलना में महज दो फीसद ज्यादा वोट मिले हैं। कांग्रेस को भले ही समर्थन नहीं मिला। कुछ एक जगहों को छोड़ दें तो उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया। दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित ने खुलेआम मोर्चा खोल रखा था। उन्होंने कहा था कि अपनी मां के अपमान का बदला वे जरूर लेंगे। संदीप खुद केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली सीट से मैदान में उतरे और केजरीवाल की हार की पटकथा लिखने में मदद की। कांग्रेस ने भी मान लिया है कि उसका असली दुश्मन भारतीय जनता पार्टी की बजाय आम आदमी पार्टी है। इसलिए उसने अपना सारा ध्यान आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार और उसके खिलाफ रहा। केजरीवाल के शीश महल का सवाल भले बीजेपी ने उठाया, लेकिन जिस आबकारी नीति घोटाले में केजरीवाल जेल गए थे, उसका भंडाफोड़ कांग्रेस के नेता अजय माकन ने ही किया था। जनता के बीच वे सादगी के साथ आए थे, इसलिए लोगों को उनका शीश महल स्वीकार नहीं हुआ। केजरीवाल ने चुनाव के आखिरी वक्त में एक और गलती कर दी। उन्होंने यह कहकर बीजेपी पर हमला बोला कि उसकी हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिला दिया है ताकि दिल्ली वालों का नुकसान हो। इस बात को जनता स्वीकार नहीं कर पाई। जनता ने माना कि केजरीवाल का भी यह भी एक बहाना है, उस वायदे को ढकने के बहाना है, जिसके तहत उन्होंने यमुना को पांच साल में साफ करने और उसमें नहाने का वादा किया था।

दिल्ली में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। अब बीजेपी के सामने जिम्मेदारियों की लंबी लिस्ट है। उसकी जिम्मेदारी है कि वह राजधानी को खुशहाल ही नहीं, पर्यावरण अनुकूल और साफ भी बनाए। केजरीवाल के लिए यह चिंतन का वक्त है। उनका गढ़ भी छिन गया है और सेनापति भी नहीं रहे। ऐसे में सेना का उठ खड़ा होना आसान नहीं, वे उठ पाएंगे या नहीं, उनकी राजनीति में बदलाव आएगा या नहीं, यह तो वक्त ही बता पाएगा।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

आधि-व्याधि, क्षत और शल आदि जरा के अनुचर नाक कान आदि द्वारों से घुसकर शरीर रूप नगर को छिन्न भिन्न करने लगते हैं। मृत्यु का जेठा भाई ज्वर बुखा ही उदर है, जो उक्त नगर को फूंकने लगता है, तब अवसर पाकर मृत्यु रूप यवन जौव को आ घेरता है। उस समय वह पुरंजन इतना अन्धकारग्रस्त होता है कि उद्धारक अज्ञात मित्र ईश्वर का स्मरण करना भी भूल जाता है।

इस तरह लौकिकी भाषा द्वारा उक्त सन्दर्भ में जीव की इति-कर्तव्यता का निर्देश किया गया है। इसीप्रकार महाभारत में संसार अटवी में पथिक रूपी जीव का भ्रान्त हो जाना यह प्रसिद्ध कथा तथा गृध्रगोमायुसंवाद इसी कोटि के सन्दर्भ हैं। हम विस्तारभय से यहाँ अन्यान्य कथाओं के उद्धरण देना नहीं चाहते, अत: पाठकों को मूल-ग्रन्थों में ही उनका पारायण करना चाहिए ।

परकीया-भाषा- जो सन्दर्भ प्रत्यक्ष में अटपटे प्रतीत होते हों और जो बातें न कभी सुनी और न देखीं- ऐसी लोकोत्तर एवं असम्भव सी जंचने वाली भाषा द्वारा जहाँ गूढ़तम वैज्ञानिक सिद्धान्तों का निरूपण किया गया हो, वह परकीया-भाषा समझनी चाहिये ।

समाधि-भाषा में तो अर्थ-गाम्भीर्य के कारण लोकोत्तरता लक्षित होती है, परन्तु परकीया भाषा में अर्थसंगति ठीक बैठ जाने पर भी असम्भदताभास के कारण तादृश पदार्थ की विद्यमानता में सन्देहाभास खड़ा हो जाता है, यही उक्त दोनों भाषाओं का पार्थक्य है। इसी प्रकार लौकिकी और परकीया दोनों भाषाओं में रूपकालङ्कार का समान समावेश होते हुए भी लौकिकी भाषा में तो लोक-प्रसिद्ध घटनाओं का चित्रण होता है, परन्तु परकीया भाषा में सर्वथा लोकोत्तर घटनाओं का उल्लेख पाया जाता है, यही इन दोनों का पार्थक्य है। **क्रमश: ...**

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय

डॉ. राकेश मिश्र

अपने उच्च विचारों, आदर्शों और त्याग के कारण भारत के लोगों के हृदय में स्थान बनाने वाले और एकात्म मानववाद जैसी विचारधारा और राष्ट्रवादी चिंतन देनेवाले, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ व राष्ट्रीय जनसंघ के संस्थापकों में शामिल पंडित दीनदयाल उपाध्याय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रणेता भारत के सबसे तेजस्वी एवं यशस्वी चिंतकों में से एक रहे हैं।

25 सितम्बर सन् 1916 को चंद्रभान, फ़राह, जिला मथुरा, उत्तर प्रदेश में जन्म लेने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी एक मध्यम वर्गीय परिवार से थे। जब दीनदयाल उपाध्याय की आयु महज़ ढ़ाई साल की थी, तब वे पितृविहीन हो गए।

भाऊराव देवरस से प्रेरणा पाकर सन 1947 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने लखनऊ में राष्ट्रधर्म प्रकाशन स्थापित किया, जिसके अंतर्गत मासिक पत्रिका राष्ट्रधर्म प्रकाशित एवं प्रसारित की जाने लगी। बाद में पांचजन्य साप्ताहिक और दैनिक समाचार पत्र स्वदेश का भी प्रकाशन यहां से हुआ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी एक अच्छे साहित्यकार व लेखक भी थे। 1946 में जब संघ से जुड़े किशोरों तक अपनी विचारधारा सरल शब्दों में पहुंचाने की बात आयी तो पंडित जी ने बिना किसी से कुछ कहे रातभर जागकर चाणक्य और सम्राट चन्द्रगुप्त को केंद्र में रखकर सम्राट चन्द्रगुप्त नाम से एक उपन्यास लिख डाला। अगली सुबह जब उन्होंने यह पुस्तक भाऊराव जी को दी तो सभी आश्चर्यचकित थे। इस उपन्यास की सफलता के बाद युवाओं के लिए भी कुछ ऐसे ही लेखन की मांग उठी। तब उन्होंने जगद्गुरु शंकराचार्य नाम से अपना दूसरा उपन्यास लिखा।

अपने जीवन में सफ़लता की अनेक सीढियां चढ़ने के बाद पंडित जी ने स्वयं को पूर्ण रूप से देश के प्रति अर्पित कर दिया। 21 अक्टूबर सन् 1951 में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की तो 1951 से 1967 तक वे भारतीय जनसंघ के महामंत्री रहे। 29 दिसम्बर 1967 को उन्हें पार्टी का अध्यक्ष चुन लिया गया। विडम्बना ही कही जायेगी कि पंडित जी सिर्फ 44 दिनों तक ही बतौर अध्यक्ष कार्य कर पाए। 1952 में कानपुर में हुए पार्टी के पहले अधिवेशन में पंडितजी को महामंत्री निर्वाचित किया गया। यहीं से अखिल भारतीय स्तर पर राजनीतिक यात्रा प्रारंभ हुई। पंडित जी ने प्रथम अधिवेशन में ही अपनी वैचारिक क्षमता का परिचय देते हुए सात प्रस्ताव प्रस्तुत किये और सभी को पारित कर दिया गया। उनकी कार्यक्षमता, परिश्रम और परिपूर्णता के गुणों से प्रभावित होकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था- यदि मुझे ऐसे दो दीनदयाल मिल जाएं तो मैं देश का राजनीतिक मानचित्र बदल दूंगा। डॉ. साहब की यही बातें पंडित जी का हौंसला और भी बढ़ाती गई। पंडितजी राष्ट्रनिर्माण व जनसेवा में इतने लीन थे कि उनका कोई व्यक्तिगत जीवन ही नहीं रहा, बांकी का जीवन संघ और जनसंघ को मजबूत बनाने और इन संगठनो के माध्यम से राष्ट्र की सेवा करने में अर्पित कर दिया। दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार उन्हें औरों से बिल्कुल अलग साबित करते हैं। 11 फ़रवरी 1968 को पंडित जी इस संसार को छोड़ गये।

दिल्लीवासियों की उम्मीदों की कसौटी पर डबल इंजन

जयसिंह रावत

भारत की राजधानी के बाशिंदो ने आखिर अपनी अगली सरकार चुन ही ली और देश के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा को सल्तनत सौंप ही दी। आम आदमी पार्टी का शासन भले ही उतना बुरा नहीं था, लेकिन 10 सालों की एण्टी इन्कम्बेंसी और शराब घोटाले जैसे आरोपों के कारण गिरती छवि ने आम आदमी पार्टी को न केवल सत्ता से बेदखल कर दिया अपितु पार्टी के आने वाले संकटों के द्वार भी खोल दिए।

शराब काण्ड में जमानत पर जेल से रिहा होने के बाद अरविन्द केजरीवाल ने कहा था कि वह बुगुनाह हैं और अदालत से पहले वह अपनी बेगुनाही जनता की अदालत में साबित करेंगे और तभी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठेंगे। उनकी निजी हार और उनके संकल्प के मायनों को तोल कर तो यही लगता है कि जनता ने उनको बेगुनाह नहीं माना।

बहरहाल, अब देश की राजधानी में भाजपा शासन का डबल इंजन आ गया है। अब तक केजरीवाल सरकार कहती थी कि केन्द्र सरकार उनको काम करने नहीं दे रही और विकास के कामों में रोड़ा अटका रही है। लेकिन अब डबल इंजन की सरकार आ गई तो दिल्लीवारियों की उम्मीदों पर पंख लगने लाजिमी हैं। वैसे भी भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा-पत्र में जो वायदे किए थे, उनको कसौटी पर कसने का समय आ गया है।

यह विजय न केवल वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन का संकेत देती है, बल्कि ऐतिहासिक रूप से भी एक महत्वपूर्ण मोड़ है। दिल्ली की राजनीति में भाजपा का संघर्ष लंबे समय से जारी रहा है, और इस जीत को पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। यद्यपि भाजपा दिल्ली में 1993 से लेकर 1998 तक तीन बार सरकार में रही लेकिन उसकी तीनों सरकारों में से किसी ने भी पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया। अंतिम मुख्यमंत्री सुष्मा स्वराज तो केवल 52 दिन ही सत्ता में रह पाईं। चूंकि अब स्वयं प्रधानमंत्री मोदी समेत भाजपा की सरकारें दीर्घजीवी हो रही हैं। अत: उम्मीद है कि दिल्ली में भी भाजपा का शासन लंबा खिंचेगा और दिल्लीवासियों की आशाओं और अभिलाषाओं पर पानी नहीं फिरेगा।

इन चुनावों में भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में कई वादे किए थे, जो अगर पूरे हुए तो दिल्ली के भविष्य को दिशा देंगे। पार्टी ने घोषणा-पत्र में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया था। पार्टी ने सड़कों, सार्वजनिक परिवहन और शहरी सुविधाओं को उन्नत करने की प्रतिबद्धता जताई थी, जिससे यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया जा सके। दिल्ली मेट्रो के विस्तार और नई बस सेवाओं की शुरुआत के साथ-साथ ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के प्रयास किए जाने की घोषणा की गई थी। भाजपा ने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए भाजपा ने सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने, तेज प्रतिक्रिया टीमों को सक्रिय करने और सामुदायिक सुरक्षा कार्यक्रमों को मजबूत करने का वादा कर रखा है। इसके साथ ही, पुलिस प्रशासन को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए नई योजनाएँ लागू करने की बात कही गई है। अब तक पुलिस के केन्द्र सरकार के अधीन होने के कारण केजरी सरकार स्वयं कानून व्यवस्था का सवाल उठा कर दिल्ली पुलिस को कोसती थी, लेकिन अब वह नौबत नहीं आयेगी। दिल्ली अकेला प्रदेश है जहां कानून व्यवस्था राज्य का विषय न हो कर केन्द्र सरकार का विषय है। दिल्ली विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में गिना जा रहा है। वहां की सांस जहरीली हो चुकी है। उम्मीद है कि नई भाजपा सरकार दिल्लीवासियों को स्वच्छ और सांस लेने योग्य हवा का प्रबंध कराएगी। वैसे भी उसने घोषणा-पत्र में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर व्यापक योजना का वायदा कर रखा है। दिल्ली लंबे समय से वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है, जिसके समाधान के लिए पार्टी ने हरित क्षेत्रों के विकास, वायु गुणवत्ता सुधारने के उपाय और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया है। इसके अलावा, यमुना नदी की सफाई और कचरा प्रबंधन में सुधार के लिए विशेष योजनाएँ शुरू करने की बात कही गई है।

यद्यपि केजरीवाल सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा काम किया था। उसके कार्यकाल के मोहल्ला क्लीनिक काफी चर्चा में रहे। फिर भी दिल्लीवासियों ने सरकार अदली है तो इसका मतलब है कि वे और भी अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं की दरकार रखते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में भाजपा सरकार ने सरकारी अस्पतालों के आधुनिकीकरण, नए अस्पतालों की स्थापना और मोहल्ला क्लीनिक जैसी सुविधाओं के विस्तार का आश्वासन दिया है। इसके अलावा, टेलीमेडिसिन सेवाओं को बढ़ावा देकर दूर-दराज के इलाकों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

केजरीवाल सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि शिक्षा क्षेत्र में सुधार मानी जाती है। अब देखना है कि भाजपा शासन में यह सुविधा किस दिशा में जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की अपेक्षा रखते हुए मतदाता सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता बढ़ाने, डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करने की उम्मीद कर रहे हैं। भाजपा ने संकल्प पत्र में सरकारी स्कूलों में आधुनिक तकनीक के उपयोग, शिक्षकों के प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है।

दिल्ली के शहरी विकास और आवास योजनाओं पर भी भाजपा ने विशेष ध्यान देने का वायदा किया है। झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने, अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने और निम्न आय वर्ग के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। जल संकट और सीवर प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नई परियोजनाओं की घोषणा की गई है, जिससे स्वच्छ पानी की आपूर्ति और अपशिष्ट जल निकासी की व्यवस्था सुधारी जा सके। भाजपा की यह सरकार ''डबल इंजन'' सरकार का भी हिस्सा होगी, जिसमें केंद्र सरकार और राज्य सरकार के समन्वय से विकास कार्यों को गति देने की बात कही गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को दिल्ली में तेजी से लागू किया जाएगा, जिससे आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता के क्षेत्र में बड़े सुधार की उम्मीद की जा रही है। दिल्ली के मतदाता नई सरकार से आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में वृद्धि की भी अपेक्षा रखते हैं। युवाओं को अधिक रोजगार देने, स्टार्टअप और छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित करने, और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए भाजपा सरकार से ठोस नीतियाँ लागू करने की उम्मीद की जा रही है।

भाजपा के सत्ता में आने के बाद मतदाता एक पारदर्शी और उत्तरदायी प्रशासन की अपेक्षा भी कर रहे हैं। सरकार की नीतियों और योजनाओं को सुचारु रूप से लागू करने के लिए जनता से संवाद बढ़ाने और भ्रष्टाचार को समाप्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है। भाजपा सरकार से दिल्ली के लोग एक समग्र विकास मॉडल की अपेक्षा कर रहे हैं, जिसमें अवसंरचना सुधार, प्रदूषण नियंत्रण, महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को प्राथमिकता दी जाए। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में यह बदलाव भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिससे वह दिल्ली के राजनीतिक भविष्य को नया स्वरूप दे सकती है।

आज का इतिहास

1919 फ्रेडरिक एबर्ट जर्मनी के राष्ट्रपति चुने गये।
1929 रोमन क्रेश्चन 'को निपटाने में मदद करने के लिए इटली और रोमन कैथोलिक चर्च के होली सी ने वेटिकन सिटी को इटली के भीतर एक स्वतंत्र संप्रभु एनक्लेव के रूप में स्थापित करने के लिए लेटरन संधि पर हस्ताक्षर किए।
1938 बीबीसी ने कैरेल कैपेक के नाटक आर.यू.आर. का एक रूपांतरण प्रसारित किया, जो अब तक का पहला विज्ञान कथा टेलीविजन कार्यक्रम है।
1953 सोवियत संघ ने इजरायल के साथ कूटनीतिक संबंध तोड़े।
1963 अमेरिकी में जन्मे कवि सील्विया प्लाथ ने लंदन में आत्महत्या की।
1964 यूनानी में साइप्रियोट और तुर्की साइप्रस निवासियों ने लिमासोल साइप्रस में आपस में लड़ाई से 50 लोग मरे गए।
1968 इस्राइल और जॉर्डन के बीच सीमावर्ती संघर्ष शुरू हुआ।
1968 अमेरिका में टेनेसी, मेम्फिस में लगभग 1,300 अश्वेत स्वच्छता कर्मचारियों की नौकरी से दो काले कर्मचारियों के मारे जाने के बाद, हड़ताल शुरू हुई जो दो महीने तक चली।
1970 जापान ने पहले उपग्रह योसुमि, एक लैम्ब्डा -4 रॉकेट पर लॉन्च किया।
1978 चीन ने अरस्तू, शेक्सपियर और डिकेंस की रचनाओं पर लगा प्रतिबंध हटाया।
1978 न्यूयॉर्क शहर में सोलह एकीकरण चर्च जोड़ों की शादी का आयोजन किया गया।
1979 ईरान का पहलवी राजवंश तब प्रभावी रूप से ध्वस्त हो गया जब सेना ने खुद को तटस्थ घोषित कर दिया जब सशस्त्र सड़क लड़ाई में शाह मोहम्मद रेजा पहलवी के प्रति निष्ठावान सैनिकों को भारी परेशानी हुई।
1979 ईरान के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया, ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खमेनी का सत्ता पर कब्जा हुआ।
1987 ब्रिटिश एयरवेज का निजीकरण हुआ और लंदन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया।
1990 रंगभेद विरोधी कार्यकर्ता नेल्सन मंडेला, 27 साल का राजनीतिक कैदी, दक्षिण अफ्रीका के पार्ल के पास विक्टर वेरस्टर जेल से रिहा किया गया था।
1990 दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला को 27 साल लंबी कैद के बाद रिहाई मिली।
1996 46 वां एनबीए ऑल-स्टार गेम- ईस्ट ने सैन एंटोनियो में वेस्ट 129-118 को हराया।

कांग्रेस के बदले ने ढहा दिया केजरीवाल का शीशमहल

सतीश एलिया

लगभग 27 वर्ष का सूखा समाप्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली विधानसभा के चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ विजय हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उठी भारतीय जनता पार्टी की आंधी में न सिर्फ बड़े-बड़े किले ढह गए बल्कि इंद्रप्रस्थ से %आप% का तंबू ही उखड़ गया। भाजपा के लिए यह बड़ी उपलब्धि है क्योंकि अपने गढ़ में भाजपा वर्षों से स्वयं को बेगाना महसूस कर रही थी।

लोकसभा चुनाव में लगातार दिल्ली में सफलता का परचम फहराने के बाद भी विधानसभा चुनाव में सफलता दूर की कौड़ी हो गई थी। इस बार सत्ता की हेट्रिक कर चुकी आप पार्टी को जहां सत्ता विरोधी लहर ने डुबोया, दूसरी तरफ सफल रणनीति के चलते भाजपा के पक्ष में चली लहर ने मानों तूफान का काम किया।

नतीजा यह रहा कि अन्ना आंदोलन को हाईजैक कर बनी और एक एक कर नामचीन साथियो को जलील कर निकालने से वन मैन आर्मी बन।गई %आप% के %शिखर पुरुष% शीशमहल वाले अरविंद केजरीवाल का सशक्त किला ही ढह गया।

केजरीवाल की तरह तिहाड़ याफ्ता पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया सुरक्षित सीट ढूंढने के बावजूद खेत रहे, तो सौरभ भारद्वाज, सोमनाथ भारती, सत्येंद्र जैन और दुर्गेश पाठक भी किनारे नहीं लग सके। जैन भी तिहाड़ी हैं। और तो और लोकप्रिय 'शिक्षक' से आप नेता बने अवध ओझा भी पहली ही डुबकी से उभर नहीं पाए। मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना ही एकमात्र दिग्गज आप नेता रहीं जो मोदी के तूफान में अपनी किश्ती बामुश्किल किनारे ला सकीं।अब ही नेता प्रतिपक्ष बनेगी ऐसा तय माना जा सकता है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली विधानसभा की 70 में से इस बार 68 सीटों पर चुनाव लड़ी भाजपा (दो सीट एनडीए सहयोगी जद (यू) और एलजेपी को दी थीं) 48 सीट पर विजय पताका फहराने में सफल रही। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले उसने अपनी ताकत में आठ गुना इजाफा किया। वर्ष 2020 के चुनाव में उसे मात्र आठ सीट से संतोष करना पड़ा था। वहीं आम आदमी पार्टी 62 से 22 पर सिमट आई।

भाजपा का स्ट्राइक रेट 71 प्रतिशत रहा और आप का 31 प्रतिशत रहा। कांग्रेस को लगातार तीन विधानसभा और लगातार तीन लोकसभा चुनाव में शून्य सीट मिलने से उसकी शर्मनाक डबल हैट्रिक लग चुकी है। एक पार्टी जिसका नेता खुद भी और जिसके बचे खुचे कार्यकर्ता भी उसे देश का भावी प्रधानमंत्री सोशल मीडिया पर अब भी बता रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी को हालांकि लोकसभा चुनाव 2024 के मुकाबले वोट प्रतिशत चार फीसदी घट गया है। लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव (2020) के मुकाबले लगभग नौ प्रतिशत वोट बैंक बढ़ा है। उधर, आप का वोट बैंक बीते विधानसभा चुनाव के मुकाबले दस प्रतिशत घटा है। इस चुनाव में मोदी की गारंटी ने तो काम किया ही, सीएम चेहरा घोषित न करना भी भाजपा की रणनीतिक जीत भी है।

अरविंद केजरीवाल लंबे समय से सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टारगेट करते रहे हैं, ताकि स्वयं को प्रधानमंत्री पद का दावेदार साबित कर सकें। लेकिन यही महत्वाकांक्षा इस बार उनके लिए हानिकारक साबित हुई। इस बार भाजपा ने मुख्यमंत्री चेहरा घोषित न करते हुए बार-बार प्रधानमंत्री मोदी से केजरीवाल पर हमले करवाए।

आप को आप'दा' घोषित करने के अलावा मोदी ने 'शीशमहल' जैसी लोकप्रिय शब्दावली का भी प्रयोग किया। वहीं जनता जनार्दन से 'मोदी को सेवा का अवसर देने' की विनम्र अपील भी की, जो कारगर साबित हुई। भाजपा ने केजरीवाल के शीशमहल की वीडियो क्लिप भी जारी की और बताया कि इस पर 45 करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं।

उधर, मतदान के चार दिन पूर्व केंद्रीय बजट में

मध्यम वर्ग को राहत देते हुए बारह लाख तक की आय टैक्स फ्री करना भी तुरुप का पत्ता साबित हुआ। दिल्ली में 67 फीसदी आबादी मध्यम वर्ग की बताई जाती है।

भाजपा ने सैद्धांतिक असहमति के बावजूद मुफ्त रेवडी बांटो प्रतियोगिता का मप्र, महाराष्ट्र की ही तरह हिस्सा बनते हुए चुनावी घोषणा-पत्र में गरीबों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अनेक प्रकार की आर्थिक मदद की भी घोषणा की। जिसे मोदी की गारंटी मानते हुए जनता ने सहर्ष समर्थन दिया। फिर अपनी परंपरा कायम रखते हुए भाजपा ने 67 प्रतिशत उम्मीदवार भी बदल दिए, जिनमें से एक तो वर्तमान विधायक ही थे।

इसके साथ आम आदमी पार्टी के एकछत्र नेता अरविंद केजरीवाल के 'कट्टर ईमानदार' के दावे को 'कट्टर बेईमान' साबित करने में भी भाजपा सफल रही। जिसमें केजरीवाल का 177 दिन जेल में रहना, शराब घोटाला, शीशमहल और जल बोर्ड घोटाले ने आग में घी का काम किया।

भारतीय जनता पार्टी के साथ कांग्रेस भी दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों पर जश्न मना रही है। भाजपा तो विजय का जश्न मना रही है, लेकिन पराजय के देशव्यापी सिलसिले के कायम रहने के बावजूद कांग्रेस को आम आदमी पार्टी की पराजय की खुशी है। कांगेस और आप में अदावत लोकसभा चुनाव के बाद से ही शुरू हो गई थी, जो चुनाव का कारवां बढ़ने के साथ-साथ तीखी कटुता में बदलती चली गई।

इंडी गठबंधन के अन्य दलों दकि आप को समर्थन मिलने के बाद तो यह लड़ाई कांग्रेस के अस्तित्व का सवाल बन गई थी। ऐसे में अकेले ही चुनाव लड़ना उसकी मजबूरी बन गई। हालांकि कांग्रेस के लिए प्रसन्नता का विषय यह है कि उसके पास खोने के लिए कुछ था भी नहीं और उसने खोया भी नहीं। उसने अपने 2020 के चार प्रतिशत वोट बैंक में दो प्रतिशत का इजाफा जरूर किया। निश्चित ही यह राहुल प्रियंका के परिश्रम का प्रतिफल हर्ष है। लेकिन लगता है कांग्रेस में इससे अधिक खुशी इस बात की है कि कांग्रेस आम आदमी पार्टी की चौदह सीटें हरवाने में कामयाब रही, जिसमें स्वयं अरविंद केजरीवाल की नई दिल्ली सीट भी शामिल है। यहां केजरीवाल चार हजार से अधिक मतों से भाजपा के प्रवेश वर्मा से चुनाव हारे।

तीसरे स्थान पर रहे कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को 4,500 से अधिक वोट मिले। इस तरह उन्होंने तीन बार सीएम रहीं अपनी मां शीला दीक्षित की हार का बदला केजरीवाल से ले लिया। यह परिणाम बताते हैं कि यदि दिल्ली में आप और कांग्रेस मिलकर लड़ते तो 36 सीट जीत सकते थे क्योंकि 22 पर आप जीती है और 14 पर कांग्रेस के कारण पराजित हुई। इसे इस तरह भी देखा जा सकता है कि कांग्रेस ने अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा के लिए बी-टीम का काम किया है और इस बात की कांग्रेस को खुशी भी है क्योंकि वह आप से बदला लेने में सफल रही।

इस प्रकार दिल्ली में आप और कांग्रेस की आमने-सामने की लड़ाई भाजपा को बहुत भाई। यह बात अलग है कि कांग्रेस के कुल सत्तर में से नब्बे फीसदी उम्मीदवार जमानत भी नहीं बचा पाए जो कि एक राष्ट्रीय पार्टी के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही कही जाएगी।

कुल मिलाकर 27 वर्ष बाद भाजपा दिल्ली में अपना परचम फहराने में सफल रही है। उसके दुर्भाग्य की शुरूआत 1993 से प्रारंभ हुई थी जब नईदिल्ली राज्य गठन के बाद पार्टी को सफलता हासिल हुई और दिल्ली के लोकप्रिय नेता मदनलाल खुराना मुख्यमंत्री बने, लेकिन आंतरिक गुटबाजी के चलते साहिब सिंह वर्मा मुख्यमंत्री बना दिए गए।

अगले 1998 के चुनाव आने के पूर्व सुषमा स्वराज भी दिल्ली की मुख्यमंत्री रह चुकी थीं। पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बनने के बाद 1998 में कांग्रेस की शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं और चुनाव जीतकर लगातार तीन बाद मुख्यमंत्री बनीं। बाद में 2013 से केजरीवाल की नवगठित पार्टी ने दिल्ली की सत्ता संभाल ली।

बहरहाल, लंबे वनवास के बाद भाजपा को एक बार फिर इंद्रप्रस्थ हाथ आया है। उसके सामने मुख्यमंत्री चयन की चुनौती है। अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए लगता है कि वह कोई चौंकाने वाला नाम ही देगी। वैसे पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश वर्मा भी केजरीवाल को हराकर जाइंट किलर कहे जा रहे हैं। वैसे भी वे पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं तथा पूर्व सांसद भी हैं। उनका मध्यप्रदेश से भी नाता है, वे वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व मंत्री , पूर्व नेता प्रतिपक्ष, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व राज्य सभा सदस्य विक्रम वर्मा के दामाद हैं। उधर दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया को हराकर तरविंदर सिंह मारवाह भी जाइंट किलर बन गए हैं।

इससे इतर दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेव की मेहनत भी कमतर नहीं आंकी जा सकती। पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी भी पूर्वांचलियों के नेता बनकर दावेदारों की सूची में शामिल हैं। देखना यह है कि इंद्रप्रस्थ का सिंहासन किसे मिलता है।

सीएम कुर्सी मिले किसी को लेकिन दिल्ली में चलेगी मोदी की ही जिन्होंने अपने विजय संदेश में यमुना की सफाई और आप के भ्रष्टाचार की धुलाई को प्राथमिकता के तौर पर जाहिर कर दिया है। उम्मीद की जाना चाहिए कि दिल्ली अब भारत की विश्व स्तरीय राजधानी बनने की यात्रा शुरू करेगी।

'आप' की कमजोरियों और मोदी की गारंटियों से जीती भाजपा

राजकुमार सिंह

आखिरकार 27 साल बाद देश के दिल दिल्ली में कमल खिल गया। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भाजपाई सत्ता का कमल पूर्वोत्तर तक में खिल गया, लेकिन देश की राजधानी में उसे 2025 तक इंतजार करना पड़ा। इस बीच हुए तीनों लोकसभा चुनाव में भाजपा दिल्ली की सभी सातों सीटें जीतती रहीं, लेकिन मतदाताओं ने उसे राज्य की सत्ता के पास नहीं फटकने दिया। तथ्य यह भी है कि 1998 से 2013 तक लगातार 15 साल दिल्ली में सत्तारूढ़ रही कांग्रेस लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव में खाता तक खोलने में नाकाम रही है। यह चुनावी जद्दोजहद बताती है कि अपूर्ण राज्य होने के बावजूद दिल्ली की सत्ता राजनीतिक दृष्टि से कितनी महत्वपूर्ण है। इसलिए 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों का इतना सरलीकरण नहीं किया जा सकता कि एक दशक से सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की 40 सीटें कम हो गईं और मुख्य विपक्षी दल भाजपा की उतनी ही सीटें बढ़ गईं। आखिर इतने बड़े बदलाव के कुछ बड़े कारण भी तो रहे होंगे। उन कारणों को सही संदर्भ में समझे बिना दिल्ली के इस जनादेश को भी नहीं समझा जा सकता। यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं था। एक बार फिर सत्ता के लिए मुख्य मुकाबला देश की सबसे ताकतवर पार्टी भाजपा और चमत्कारिक चुनावी सफलता से एक दशक में ही दो राज्यों में सत्तारूढ़ एवं राष्ट्रीय दल बन जानेवाली आम आदमी पार्टी के बीच था। भाजपा को एक दशक से भी ज्यादा सत्ता का इंतजार करना पड़ा तो शायद इसलिए कि ज्यादातर दलों-नेताओं को भ्रष्टाचारी बताने से केजरीवाल की बनी 'श्रीमान ईमानदार' की छवि और 'मुफ्त रेवड़ी' राजनीति की कारगर काट बिना उनसे पार पा सकना संभव नहीं था। केजरीवाल को उत्तर भारत में 'रेवड़ी राजनीति' का जनक माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ सालों में भाजपा इस खेल में उन्हें पीछे छोड़ चुकी है। इसलिए जब शराब घोटाले और शीशमहल के आरोपों तथा यमुना सफाई और स्वच्छ पेयजल सप्लाई जैसे अधूरे वायदों से केजरीवाल की साख संदेह और सवालों में घिरी, तो मोदी की गारंटियां आप पर भारी पड़ गईं। दरअसल केजरीवाल केंद्रित यह चुनाव भाजपा ने दो मोर्चों पर लड़ा। एक, केजरीवाल की छवि पर उठते संदेह-सवालों पर भाजपा ने आक्रामक रुख अपनाया। दो, वेतन आयोग के गठन और बजट में आयकर राहत से मध्य वर्ग को लुभाते हुए आप के जनाधार में सेंध लगाई। बेशक भाजपा की इस रणनीति में कांग्रेस की अपनी रणनीति भी मददगार बन गई। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में 'आप' के साथ शामिल तथा दिल्ली समेत कुछ राज्यों में उससे मिल कर लोकसभा चुनाव लड़ी कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में उसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया था।

धनाढ्यों के विदेश पलायन पर प्रदर्शन क्यों नहीं?

ललित गर्ग

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद सौ से अधिक अवैध भारतीयों के पहले बैच को अपराधियों की तरह अपमानजनक तरीके से भारत भेजा गया है। सितम्बर- 2024 तक सालभर में अवैध रूप से अमेरिका जाने की कोशिश में 90 हजार से अधिक लोग पकड़े गये थे। ये लोग अपनी जीवनभर की कमाई एवं पूंजी को दांव पर लगाकर अमेरिका जैसे देशों में जाने के वैध एवं अवैध तरीके अपनाते हैं, इनका इस तरह देश छोड़कर जाने का कारण समझ में आता है, लेकिन धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का बढ़ता सिलसिला समझ से परे हैं। ऐसे क्या कारण है कि लोगों को देश की बजाय विदेश की धरती रहने, जीने, व्यापार करने, शिक्षा एवं रोजगार के लिये अधिक सुविधाजनक लगती है, नये बनते भारत के लिये यह चिन्तन-मंथन का कारण बनना चाहिए। संसद परिसर में अमेरिका से लौटे अवैध भारतीयों के स्वदेश लौटने की विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों को लेकर व्यापक प्रदर्शन हुए, लेकिन क्या इन बुद्धिमान विपक्षी दलों के सांसदों को कभी धनाढ्यों के भारत छोड़कर जाने एवं इस तरह भारत का अपमान करने की स्थितियों पर भी प्रदर्शन नहीं करना चाहिए?

'हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट' के अनुसार पिछले दो साल से ऐसे लोगों की संख्या औसतन 5,000 रही है। इन अमीरों को आप कभी शिकायत करते नहीं

सुनेंगे। ये इतने स्मार्ट हैं कि बिना हौ-हल्ला किये विदेश में जाकर बस जाते हैं। तथ्य यह है कि इनके पास 'सरप्लस' है, और ये भारत में निवेश करने की जगह विदेश का रुख कर रहे हैं। इनमें से कई इसलिए देश छोड़ रहे हैं क्योंकि विदेश में सुरक्षा है और गुमनाम रहने की सुविधा है। इनसे भी जो ज्यादा अमीर हैं, ऐसे करोड़पति, अरबपति और खासकर डॉलर अरबपति कमाई तो भारत में करते हैं और जीते अमेरिका जैसे देशों में है। 'फोर्ब्स' के आंकड़ों के अनुसार ये केवल 200 हैं। करोड़पति अगर चुपचाप देश से जा रहे हैं, तो अरबपति विदेश की धरती से तेज आवाज में सरकार की तारीफ कर रहे हैं और इस तरह के मंत्रों का जाप कर रहे हैं कि 'हमारी अर्थव्यवस्था जल्द ही सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है', कि यह 'दुनिया में सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करा रही विशाल अर्थव्यवस्था है'। प्रश्न है कि इन समृद्ध लोगों का देश की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में क्या योगदान है? उनका भारत से पलायन क्यों हो रहा है? सरकार इन पर क्या कदम उठा रही है? विपक्षी दल क्यों मौन धारण किये हुए है?

क्या कारण है कि जन्मभूमि को जननी समझने वाला भारतवासी आज अपनी समृद्धि को भोगने या अपनी प्रतिभा का विदेश की चकाचौंध भरी धरती पर उपयोग करने, उन्हें लाभ पहुंचाने विदेश की ओर भागता है और वहां जाकर सम्पन्न एवं भोगवादी जीवन जीने लगता है? क्या कारण है कि शस्य श्यामला भारत भूमि पर अपनी समृद्धि से विकास के नये क्षितिज उद्घाटित करने या अपनी प्रतिभा से देश को लाभान्वित करने की बजाय विदेश की धरती को लाभ पहुंचाते हैं। बड़ा सवाल यह भी उठना स्वाभाविक है कि आखिर क्या कमी है हमारे यहां? यह बात सही है कि गांव से कस्बे, कस्बे से शहर और शहरों से महानगरों में जाकर बसने की मानवीय प्रवृत्ति होती है। इसे विकास से भी जोड़ा जा सकता है। लेकिन जब यह दौड़ बहुत ज्यादा होने लगे और लोग अपनी जड़ें ही छोड़ने को आकुल दिखें तो सोचना जरूरी हो जाता है। मुम्बई, दिल्ली, बेंगलूरु जैसे महानगर दुनिया के दूसरे महानगरों को टक्कर देने वाले हैं। फिर भी अगर ये भारतीय विदेशी महानगरों को ही चुन रहे हैं, तो तमाम पहलुओं पर विचार भी करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि यह दौड़ भारतीय महानगरों से विदेशी महानगरों की तरफ ही है। विदेश में बसने की यह दौड ऐसे समय देखने को मिल रही है जब देश में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं, जीवनशैली उन्नत एवं सुविधापूर्ण होती जा रही है, व्यापार एवं व्यवसाय की संभावनाओं को पंख लग रहे हैं। भारत दुनिया में साख एवं धाक जमा रहा है। दुनिया की नजरें भारत पर लगी है और यहां अनंत संभावनाओं को देखते हुए विदेशी भारत आ रहे हैं। फिर भारतीय विदेशों की ओर क्यों जा रहे हैं।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

ऐसे किया जाता है विकास

विनीत नारायण

हमारे पड़ोसी देश चीन ने पिछले सप्ताह एक बार फिर से सुर्खियां बनाईं। इस बार भारत में घुसपैठ नहीं बल्कि भारत और दुनिया भर के लिए एक उदाहरण बना। चीन ने अपने नवाचार द्वारा एक रेगिस्तान को न सिर्फ रोका बल्कि उसे हरा-भरा भी कर दिया। चीन का यह विकास कार्य आज काफी चर्चा में है। 'मौत का सागर' के रूप में जाना जाने वाला टकलामकन रेगिस्तान 337,600 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसका आकार लगभग पश्चिमी देश जर्मनी के बराबर का क्षेत्र है। इसके विशाल रेत के टीलों और बार-बार आने वाले रेतीले तूफानों ने लंबे समय तक मौसम के पैटर्न को बाधित किया है।

कृषि को खतरे में डाला है और मानव स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। जवाब में, चीन ने एक व्यापक हरित अवरोध लागू किया है, जिसे रेगिस्तान के किनारों को लॉक करने और इसके नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को स्थिर करने के लिए डिजाइन किया गया है।इन प्रयासों ने न केवल रेलवे और राजमार्गों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा की है, बल्कि यह भी प्रदर्शित किया है कि टिकाऊ प्रौद्योगिकियां मरुस्थलीकरण का प्रतिकार कैसे कर सकती हैं। सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई प्रणालियों को एकीकृत करके, चीन पृथ्वी पर सबसे कठिन वातावरणों में से एक में वनस्पति को बनाए रखने

के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग कर रहा है। टकलामकन रेगिस्तान की इस व्यापक पहल पर 4 दशकों से काम चलाया गया। ग्रीनबैल्ट का पहला 2,761 किलोमीटर का काम कई वर्षों में पूरा हुआ, अंतिम चरण नवंबर 2022 में शुरू हुआ, जिसमें रेगिस्तानी चिनार, लाल विलो और सैक्सौल पेड़ों जैसी लचीली, रेगिस्तान-अनुकूल प्रजातियों को रोपने के लिए 600,000 श्रमिकों को एक साथ लाया गया- जो शुष्क परिस्थितियों में जीवित रहने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

ये पौधे कई उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं- वे खिसकती रेत को सहारा देते हैं, रेगिस्तान के विस्तार को धीमा करते हैं और स्थानीय समुदायों को आर्थिक लाभ प्रदान करते हैं। यह परियोजना इतिहास में सबसे महत्वाकांक्षी पुनर्वनीकरण प्रयासों में से एक का प्रतिनिधित्व करती है, जो दुनिया भर में भूमि क्षरण से निपटने के लिए एक नई मिसाल कायम करती है। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में ग्रीनबैल्ट का प्राथमिक लक्ष्य मरुस्थलीकरण को रोकना है यह परियोजना दीर्घकालिक आर्थिक अवसर भी पैदा कर रही है। कुछ नए लगाए गए पेड़, जैसे कि रेगिस्तानी जलकुंभी, में औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से हर्बल चिकित्सा के लिए आकर्षक बाजार खोलते हैं। इसके अलावा, 2022 में, चीन ने हटन-रुओ कियांग रेलवे का उद्घाटन किया, जो रेगिस्तान के चारों ओर दुनिया की पहली पूरी तरह से घिरी हुई रेलवे थी। 2,712 किलोमीटर लंबा रेलवे रेगिस्तानी शहरों को जोड़ता है, जिससे अखरोट और लाल खजूर जैसे स्थानीय कृषि उत्पादों को पूरे चीन के बाजारों तक पहुंचाना आसान हो जाता है जिससे क्षेत्रीय व्यापार और विकास को और बढ़ावा मिलता है।

खबरों के मुताबिक चीन पुनर्वनरोपण पर रोक नहीं लगा रहा है बल्कि टकलामकन रेगिस्तान में एक विशाल नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना भी चल रही है। चाइना थ्री गोरजेस कार्पोरेशन 8. 5 गीगावाट सौर ऊर्जा और 4 गीगावाट पवन ऊर्जा स्थापित करने की योजना का नेतृत्व कर रहा है, जिसके अगले 4 वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। झिंजियांग पहले से ही चीन की स्वच्छ ऊर्जा रणनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी है, और इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र के विशाल नवीकरणीय संसाधनों को राष्ट्रीय ग्रिड में एकीकृत करना है। रेगिस्तान की बहाली को टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन के साथ जोड़कर, चीन उस चीज को हरित विकास के अवसर में बदल रहा है जो कभी एक पारिस्थितिकीय चुनौती थी। अब जब टकलामकन ग्रीन बैल्ट पूरा हो गया है, तो अगले चरण में इसकी दीर्घकालिक दक्षता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने पर यान केंद्रित किया जाएगा कि यह एक टिकाऊ आत्मनिर्भर पारिस्थिति की तंत्र बना रहे।

जानकारों के अनुसार यह अभूतपूर्व उपलब्धि नवीन पर्यावरणीय समाधानों के प्रति चीन की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। हरित प्रौद्योगिकियों और बड़े पैमाने पर पुनर्वनीकरण का लाभ उठाकर, राष्ट्र ने न केवल अपने स्वयं के बुनियादी ढांचे और कृषि को सुरक्षित किया है, बल्कि भविष्य की वैश्विक रेगिस्तान बहाली परियोजनाओं के लिए भी मार्ग प्रशस्त किया है। भारत सहित सभी विकासशील देशों को चीन से सबक लेते हुए यह सीखना चाहिए कि विषम परिस्थितियों में भी विकास कार्य किए जा सकते हैं। ओछी राजनीति करने से किसी का भी लाभ नहीं होता।यदि किसी भी प्रदेश में किसी विपक्षी दल ने उस क्षेत्र के विकास के लिए कुछ ठोस कदम उठाए हैं तो उन्हें प्रोत्साहन देना चाहिए।

जिस भ्रष्टाचार का नाम लेकर नेता बने उसी भ्रष्टाचार ने केजरीवाल को डूबा दिया

विनोद पाठक

12 साल बाद दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी के शासन का अंत हो गया है। 27 साल बाद भाजपा ने सत्ता में वापसी की है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने भले अपना खाता न खोला हो, लेकिन आम आदमी पार्टी की हार में बहुत बड़ा योगदान कांग्रेस पार्टी का रहा है। कांग्रेस ने 6.38 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए हैं। खासकर अरविंद केजरीवाल जिस नई दिल्ली सीट से चुनाव हारे हैं, वहां कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के सुपुत्र संदीप दीक्षित ने 4531 वोट लिए। आम आदमी पार्टी की हार के तीन प्रमुख कारणों को गिना जाए तो पहला भ्रष्टाचार, दूसरा अरविंद केजरीवाल का बड़बोलापन और तीसरा पार्टी में दूसरी पंक्ति के नेताओं का अभाव रहा। दरअसल, अन्ना आंदोलन के समय केजरीवाल ईमानदार और भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति का संकल्प लेकर मैदान में उतरे थे। अपने पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भले उन्हें बहुत अधिक सफलता नहीं मिली थी, लेकिन वर्ष 2015 में जब दोबारा दिल्ली में विधानसभा चुनाव हुए तो उन्होंने एकतरफा सारे समीकरणों को झुठलाते हुए 70 में से 67 सीट जीती थीं। केजरीवाल का करिश्मा यहीं नहीं रुका। 5 साल बाद वर्ष 2020 के चुनाव में उन्होंने 70 में से 62 सीटें हासिल कर बताया कि उनमें काफी दम बाकी है। इतना ही नहीं, आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल की लीडरशिप में पंजाब में भी जीत का परचम फहराया। पंजाब की जीत ने आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी दिला दिया। लेकिन, पंजाब की जीत के बाद यूं लगने लगा था कि सत्ता का नशा केजरीवाल के सिर पर चढ़ गया है। वो ऐसे मुख्यमंत्री बने हुए थे, जो स्वयं कोई जिम्मेदारी नहीं लेता, लेकिन सारे अधिकार उन्हें चाहिए होते थे। नियमों को तोड़ना जैसे केजरीवाल के लिए आम बात हो गई थी। इसका एक उदाहरण उनका सरकारी बंगला भी रहा, जिसे विपक्ष ने शीशमहल की संज्ञा दी। कभी बंगला और गाड़ी न लेने की घोषणा करने के बावजूद अपने लिए महलनुमा बंगला बनवा लेने ने भी जनता को केजरीवाल की साफ छवि के विषय में सोचने के लिए विवश किया। भ्रष्टाचार ऐसा मुद्दा रहा, जिसे लेकर केजरीवाल सबसे अधिक मुखर रहे हैं। जब वो इंडिया अगेंस्ट करप्शन को लेकर जनांदोलन चला रहे थे तो कांग्रेस के भ्रष्ट नेताओं की लिस्ट जारी करते थे, लेकिन एक समय ऐसा आया कि वो उन्हीं नेताओं के साथ मंच साझा करने लगे। बिना विचारधारा की पार्टी चला रहे केजरीवाल ने भ्रष्टाचार को लेकर कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया। उनका बड़ा वादा लोकपाल नियुक्ति का था, जो तीन बार सत्ता में आने के बावजूद वादा ही रह गया। उल्टा शराब घोटाले में न केवल अरविंद केजरीवाल, बल्कि उनके सबसे करीबी मनीष सिसोदिया भी जेल में रहे। केजरीवाल के करीबी सत्येंद्र जैन को भी जेल जाना पड़ा। भ्रष्टाचार में जेल जाने ने अरविंद केजरीवाल की छवि को बहुत गहरा आघात पहुंचा। वर्ष 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में केजरीवाल ने एक नीति अपनाई थी, वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करने से बचते थे। लोकसभा चुनाव में दिल्ली में भले अरविंद केजरीवाल को अकेले और बाद में कांग्रेस के साथ जाने के बावजूद कोई सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला नहीं बोला था। यह नीति कहीं न कहीं उनके लिए कारगर साबित हो रही थी, लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में उनका बड़बोलापन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमले उन्हें भारी पड़े। जनता को कहीं न कहीं यही लगा कि यह नेता काम कम करता है, लेकिन बोलता अधिक है। कभी करीबी रही स्वाति मालीवाल प्रकरण ने भी केजरीवाल की छवि खराब की है। पूरे चुनाव में जिस तरह से स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अभियान चलाया, वो उनके लिए घातक साबित हुआ। दिल्ली में करारी हार के बाद और स्वयं की सीट हारने के बाद केजरीवाल के लिए आगे का रास्ता बेहद कठिन साबित होने वाला है।

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जाग्रत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

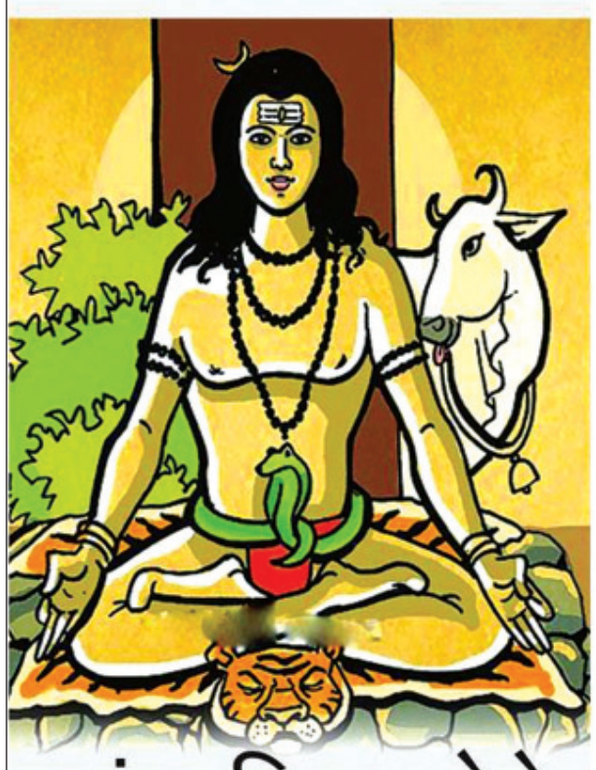

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो।

साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि तेलमणि को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भी कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मलीन कहा जाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए श्वेत, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिकना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुनः अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखाई देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्रत अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्रत अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वात, पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अतः अब आप जान सकते हैं कि आपने जो सपने देंखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है।

मांगलिक वस्त्र : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधवा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीरष्व नार्यभि जीवलोकं
गतासुमेतमुप शेष एहि।
हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं
पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए। चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नही बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कांग्रेस सांसद ने अपने ही लीडरशिप पर उठाए सवाल

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की लगातार तीसरी अपमानजनक हार के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने सोमवार को कहा कि सबसे पुरानी पार्टी को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि क्या वह गठबंधन की राजनीति करना चाहती है या अकेले चुनाव लड़ना चाहती है। उन्होंने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में बुनियादी बदलाव की भी मांग की, हालांकि इसके बारे में उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं बताया। बिहार के कटिहार से पार्टी के सांसद अनवर ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस को अपनी राजनीतिक रणनीति स्पष्ट करने की जरूरत है। उसे यह तय करना होगा कि वह गठबंधन की राजनीति करेगी या अकेले चुनाव लड़ेगी। पूर्व कांग्रेस महासचिव ने कहा कि इसके अलावा, पार्टी के संगठन में बुनियादी बदलाव करना भी जरूरी हो गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का निराशाजनक प्रदर्शन, जिसके नतीजे शनिवार को घोषित किए गए, पार्टी लगातार तीसरी बार एक भी सीट जीतने में नाकाम रही।

राज्यसभा में सोनिया ने उठाया जनगणना में देरी का मुद्दा

नईदिल्ली। राज्यसभा में बोलते हुए कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने जनगणना में देरी का मुद्दा उठाया। सोनिया गांधी ने कहा कि सितंबर 2013 में यूपीए सरकार द्वारा पेश किया गया राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) एक ऐतिहासिक पहल थी, जिसका उद्देश्य देश की 140 करोड़ आबादी के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इसने लाखों परिवारों को भुखमरी से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, खासकर कोविड 19 संकट के दौरान। सोनिया गांधी ने आगे कहा कि इस अधिनियम ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लिए आधार प्रदान किया। एनएफएसए के तहत, 75त्न ग्रामीण आबादी और 50त्न शहरी आबादी सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार है। हालाँकि, लाभार्थियों के लिए कोटा अभी भी 2011 की जनगणना के आधार पर निर्धारित किया जाता है जो अब एक दशक से अधिक पुराना है।

दिल्ली में हार के बाद पंजाब बचाने की तैयारी!

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की करारी हार के बाद पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल अब एक्सन में हैं। उन्होंने पंजाब में आप विधायकों और मंत्रियों की बैठक बुलाई, जो एकमात्र राज्य है जहां पार्टी सत्ता में है। मंगलवार को होने वाली बैठक राज्य कांग्रेस नेताओं के दावों के बाद है कि वे लगभग 30 आप विधायकों के संपर्क में हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए, जहां भाजपा 27 साल बाद सत्ता में आई और आप के एक दशक लंबे शासन को समाप्त कर दिया, पंजाब के नेता विपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया कि वह राज्य में आप विधायकों के साथ लंबे समय से संपर्क में हैं। विपक्षी नेताओं ने पंजाब में आप के भीतर संभावित विभाजन और राज्य की सरकार में फेरबदल की भी भविष्यवाणी की। पंजाब में 2022 के विधानसभा चुनाव में आप ने 117 में से 92 सीटें जीतकर कांग्रेस से सत्ता छीन ली।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने की राज ठाकरे से मुलाकात

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से उनके आवास पर मुलाकात की। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधान परिषद के सदस्य प्रसाद लाड ने बताया कि मनसे प्रमुख ठाकरे ने फडणवीस को मुंबई के दादर इलाके में शिवाजी पार्क के पास स्थित अपने आवास पर आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने इस मुलाकात के संबंध में और कोई जानकारी नहीं दी। ठाकरे ने पिछले माह सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला करते हुए कहा था पार्टी ने एक बार कहा था कि करोड़ों रुपये के घोटाले में संलिप्त नेताओं को सलाखों के पीछे डाला जाएगा लेकिन उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों पर भी सवाल उठाए थे। वहीं भाजपा ने ठाकरे पर पार्टी के खिलाफ दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया।

आस्था का महासंगम है महाकुंभः पुष्कर सिंह धामी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को महाकुंभ नगर पहुंचे और उत्तराखंड मंडपम का निरीक्षण किया। साथ ही वह सेक्टर आठ में चल रहे ज्ञान महाकुंभ में भी शामिल हुए। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, प्रयागराज पहुंचने पर धामी ने कहा, महाकुंभ, आस्था का महासंगम है। हमारे देश के करोड़ों लोग यहां पवित्र संगम में स्नान कर रहे हैं। हम मां गंगा, यमुना और सरस्वती से प्रार्थना करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश निरंतर समृद्धि और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री ने यहां स्थापित उत्तराखंड मंडपम का निरीक्षण किया और उत्तराखंड मंडपम में आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की एवं उनका हालचाल जाना। उन्होंने श्रद्धालुओं से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उनकी सुविधा को लेकर संतोष जताया। बयान के मुताबिक, धामी ने सेक्टर-आठ, प्रयागवाल मार्ग पर आयोजित 'ज्ञान महाकुंभ' में भी भाग लिया।

दिल्ली चुनाव परिणाम के बाद बढ़ी तकरार कांग्रेस ने साफ किया रूख

इंडिया गठबंधन से बाहर होगी आप!

नई दिल्ली। शनिवार को दिल्ली चुनाव के परिणाम सामने आए, जिसके बाद राजधानी की सियासत में गर्माहट तेज हो गई है। कारण है कि आम आदमी पार्टी की हार और कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलना इंडिया गठबंधन में लंबे समय से चले आ रहे आंतरिक क्लेश को हवा देने लगे और कई चुनाव विशेषज्ञों ने माना कि दिल्ली में आप की हार का सबसे बड़ा कारण कांग्रेस बनकर सामने आई।

इसी बीच इन सवालों के जवाब में कांग्रेस सासंद राजीव शुक्ला ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जब इंडिया गठबंधन बना था, तब यह तय हुआ था कि हम लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे और राज्यों में पार्टियां अपना फैसला खुद ले सकती हैं। जब संसदीय चुनाव होंगे, तो हम एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। साथ ही यह पूछे जाने पर कि क्या आप गठबंधन में रहेगी, कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि ये बात वरिष्ठ नेता तय करेंगे कि आप गठबंधन में रहेगी या नहीं, लेकिन विपक्षी एकता मजबूत है और ऐसी ही रहेगी।

साथ ही इस मामले में कांग्रेस नेता मुमताज पटेल का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि क्या आप की जीत सुनिश्चित करना कांग्रेस की जिम्मेदारी है? क्या उन्होंने गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र चुनावों में इसके बारे में सोचा था? मुमताज ने कहा कि कांग्रेस भारत में दूसरी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी हैं, अगर हमने आप के साथ गठबंधन किया होता और आप सत्ता में आती, तो हमें इससे क्या फायदा होता?

साथ ही पटेल ने आगे कहा कि आप ने कभी भी कांग्रेस पार्टी की मदद नहीं की। अगर सभी राष्ट्रीय पार्टियां यह कहना चाहती हैं कि कांग्रेस पार्टी को हमेशा त्याग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इसमें विश्वास नहीं करतीं। साथ ही मुमताज ने ये भी कहा कि अब इन सभी पार्टियों को यह समझ लेना चाहिए कि वे कांग्रेस के समर्थन के बिना कोई भी चुनाव नहीं जीत सकतीं।

दिल्ली की हार पर इंडिया ब्लॉक में फूट

मुंबई। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों, आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच दरार ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत में योगदान दिया। सेना यूबीटी पार्टी के मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में पूछा गया कि विपक्षी गठबंधन की जरूरत क्यों है, जब उनके घटक भगवा पार्टी के खिलाफ लड़ने के बजाय एक-दूसरे से लड़ते रहते हैं। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए चुनावी मुकाबले में भाजपा ने 48 सीटें हासिल कर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी को राजधानी की सत्ता से बाहर कर दिया। आम आदमी पार्टी को भारी हार का सामना करना पड़ा और उसे सिर्फ 22 सीटें मिलीं। इस बीच, कांग्रेस का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और उसे दिल्ली विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार कोई सीट नहीं मिली। सामना के संपादकीय में कहा गया है, दिल्ली में आप और कांग्रेस दोनों ने एक-दूसरे को नष्ट करने के लिए लड़ाई लड़ी, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए चीजें आसान हो गईं। अगर यही चलता रहा तो फिर गठबंधन ही क्यों करें? बस जी भर कर लड़ो! दिल्ली चुनाव के प्रचार के दौरान आप और कांग्रेस दोनों ने एक-दूसरे पर कई आक्षेप लगाए। विपक्षी दलों के बीच इसी तरह के झटके महाराष्ट्र में भी निराशा लेकर आए, जहां भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2024 के राज्य विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की।

27 साल बाद दिल्ली में भाजपा सरकार?

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत की पृष्ठभूमि में पार्टी सदस्यों ने सोमवार को लोकसभा में 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए। बीते आठ फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद संसद के वर्तमान बजट सत्र का आज पहला कामकाजी दिन था। सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही भाजपा के कई सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए नारे लगाने लगे। उन्होंने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए।

सत्तापक्ष के सदस्यों की नारेबाजी के बीच ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू करवाया। भाजपा ने दिल्ली की 70 विधानसभा सीट में से 48 सीट पर जीत हासिल की। भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) को पराजित करके 27 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है। आप को सिर्फ 22 सीटें मिलीं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस के सदस्य प्रशांत पंडोले से कहा कि उनकी किस्मत बड़ी है क्योंकि उन्हें सदन में बोलने का खूब अवसर मिलता है। इस पर पंडोले ने कहा कि यह जनता और लोकसभा अध्यक्ष के आशीर्वाद के कारण है।

प्रश्नकाल के दौरान बिरला ने कौशल विकास मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछने के लिए पंडोले का नाम पुकारा और फिर कहा, ''आपकी किस्मत बड़ी है, खूब बोलते हैं लोकसभा में।'' इस पर महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''लोगों का अशीर्वाद है...आपका आशीर्वाद है।''

कौन होगा दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री?

70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में 48 सीटें जीतने के बाद भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में अगली सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। लगभग 27 वर्षों में यह पहली बार होगा कि राष्ट्रीय राजधानी में भगवा पार्टी का कोई मुख्यमंत्री होगा। दिल्ली की आखिरी बीजेपी सीएम 1998 में दिवंगत सुषमा स्वराज थीं। बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सीएम चेहरे की घोषणा नहीं की थी। दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हैं, फैसला लेंगे।

हालांकि, सीएम को लेकर कई नामों पर चर्चा तेज है।

हालांकि, माना जा रहा है कि भाजपा के मुख्यमंत्री को में जाति एक महत्वपूर्ण मानदंड होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में आने वाले सप्ताह में विकास होने की उम्मीद है। रिपोर्टों से पता चलता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ इस सप्ताह होने वाले निर्णय में जाति एक भूमिका निभाएगी। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से कहा गया है, आरएसएस कई कारकों के आधार पर सुझाव देगा, जिसमें एक विशेष जाति या समुदाय के मतदाताओं द्वारा भाजपा को दिया गया समर्थन भी शामिल है।

बातचीत में सीएम के अलावा एक संभावित डिप्टी सीएम, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष और मंत्रिपरिषद की संरचना सहित महत्वपूर्ण पदों के लिए नाम शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, ब्राह्मण वोटों ने दिल्ली में भाजपा की जीत में योगदान दिया है, इसलिए, समुदाय को निश्चित रूप से किसी न किसी महत्वपूर्ण पद पर समायोजित किया जाएगा। यही स्थिति जाट और पंजाबी मतदाताओं के साथ भी है, और इसलिए सीएम और डिप्टी सीएम भी इन समुदायों से हो सकते हैं।

एक अन्य वरिष्ठ नेता के अनुसार, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने विजय भाषण में कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का गठन करने वाले सभी तीन राज्यों - दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश - में अब भाजपा सरकारें हैं, और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बढ़ावा देने का वादा किया है, सीएम के संबंध में निर्णय उस संदेश को लागू करने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, पार्टी के पास पहले से ही राजस्थान और महाराष्ट्र में ब्राह्मण सीएम हैं, हरियाणा में एक ओबीसी और उत्तर प्रदेश में एक क्षत्रिय। जाति और समुदाय के संतुलन की आवश्यकता होगी। भाजपा में प्रमुख पदों पर समुदाय की कमी को देखते हुए एक जाट नेता दिल्ली के अंतिम सीएम चेहरे के रूप में उभर सकता है।

इस सप्ताह राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में 11 सदस्यीय संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद पार्टी दिल्ली के मुख्यमंत्री को चुनने की प्रक्रिया के लिए दो पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर सकती है। शीर्ष पद के लिए जिन नामों की चर्चा चल रही है उनमें जाट नेता परवेश वर्मा भी शामिल हैं, जो चुनाव में नई दिल्ली सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हराकर एक बड़े हत्यारे के रूप में उभरे। बनिया समुदाय से विजेंदर गुप्ता जो रोहिणी से जीते, अरविंदर सिंह लवली जो गांधी नगर से जीते; मंगोल पुरी से जीतने वाले दलित नेता राज कुमार चौहान, ग्रेटर कैलाश से आप मंत्री सौरभ भारद्वाज को हराने वाली ठाकुर शिखा रॉय और मालवीय नगर से सोमनाथ भारती को हराने वाले ब्राह्मण सतीश उपाध्याय मुख्यमंत्री पद के अन्य शीर्ष दावेदारों में से हैं।

मैं अपने दोस्त ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की अपनी चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हो गए हैं। फ्रांस में वे एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे। वे फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों फ्रांस में पहले भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने और अंतर्राष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर परियोजना का दौरा करने के लिए मार्सिले भी जाएंगे। फ्रांस के बाद वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे।

ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली अमेरिका यात्रा को पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों की सफलताओं को आगे बढ़ाने का अवसर करार दिया। पीएम मोदी ने फ्रांस रवाना होने से पहले कहा कि इस यात्रा से प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन के क्षेत्रों सहित अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी को और ऊपर उठाने और गहरा करने के लिए एक एजेंडा विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

पीएम मोदी ने अमेरिका यात्रा को लेकर कहा कि हम दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए मिलकर काम करेंगे और दुनिया के लिए बेहतर भविष्य को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि मैं अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक हूं।

खेल
प्रमुख समाचार

माया रामेश्वरन ने 15 साल की उम्र में रच दिया इतिहास

नईदिल्ली। माया रामेश्वरन भारतीय टेनिस में बीते कुछ दिनों से एक नाम लगातार सुर्खियों में है। महज 15 साल की उम्र में इस खिलाड़ी ने अपने खेल से सनसनी मचा दी है। अपनी आदर्श सानिया मिर्जा की तरह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम बनाने का सपना देखने वाली माया के सफर की शुरुआत शानदार रही।

माया ने मुंबई ओपन 125 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। माया राजेश्वरन का स्वप्निल सफर शनिवार को जिल टीचमैन के खिलाफ सीधे सेटों में हार के साथ खत्म हो गया। राजेश्वरन का टूर्नामेंट में सफर प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने इटनी की वर्ल्ड नंबर 264 निकोल फोसा ह्यूर्गो को तीन सेट के चुनौतीपूर्ण मैच (6-3, 3-6,6-0) में हराया।

इसके बाद उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की वर्ल्ड नंबर 434 जेसिका फेला को 7-6, 1-6, 6-4 के स्कोर से हराया। इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने इस प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने डब्ल्यटीए पॉइंट हासिल किया है। वह ऐसा करने वाली भारत की सबसे युवा महिला खिलाड़ी हैं। ये उनके करियर का महज पांचवां ही टूर्नामेंट है।

माया का जन्म 12 जून 2009 को तमिलनाडु के कॉयम्बटूर में हुआ। स्कूल से ही आठ साल की उम्र में ही उन्हें पहली बार टेनिस को जानने का मौका मिला। वह स्कूल के बाद एक्टीविटी के तौर पर टेनिस खेलने लगी। इसके बाद उन्होंने भारत के पूर्व नंबर वन खिलाड़ी केजी रमेश के साथ टेनिस ट्रेनिंग शुरू की और फिर प्रो सर्व टेनिस अकेडमी में मनोज कुमार के साथ टेनिस सीखा।

माया भारत की दिग्गज खिलाड़ी सानिया मिर्जा और बेलारुस की आर्यना सबलेंका को अपना आदर्श मानती है। उनका खेलने का स्टाइल भी वैसा ही है। वह बेसलाइन पर दबदबा दिखाती हैं और साथ ही नेट पर ही बड़े आत्मविश्वास के साथ खेलती हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 548 अंक टूटा निफ्टी 23,400 के नीचे

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला जारी है। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में सोमवार (10 फरवरी) को लगातार चौथे दिन गिरावट जारी रही। सेंसेक्स और निफ्टी अपने ऑल टाइम हाई से लगभग 10% नीचे कारोबार कर रहे हैं। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार (10 फरवरी) को 19.36 अंक या 0.02 प्रतिशत गिरकर 77,840 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 77,106 अंक तक फिसल गया था। अंत में सेंसेक्स 548.39 अंक या 0.70% की गिरावट लेकर 77,311 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37.50 अंक या 0.16 प्रतिशत की गिरावट लेकर 23,522.45 पर ओपन हुआ। हालांकि, कुछ ही देर में दोनों इंडेक्स में गिरावट बढ़ गई। अंत में यह 178.35 अंक या 0.76% गिरकर 23,381 पर क्लोज हुआ।

सरकार ने दिए 10.33 करोड़ मुफ्त एलपीजी कनेक्शन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूजे) की मई 2016 में शुरू की गई थी और तब से अब तक सरकार ने पूरे देश में 10.33 करोड़ मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए हैं। लोकसभा में इस हफ्ते यह जानकारी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने दी। मंत्री हरदीप पुरी ने लिखित जवाब में कहा कि इस योजना के तहत 8 करोड़ एलपीजी कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे सितंबर 2019 में पूरा कर लिया गया। साथ ही इस योजना में अधिक गरीब परिवारों को लाभ देने के लिए अगस्त 2021 में उज्ज्वला 2.0 शुरू की गई। इसका लक्ष्य 1 करोड़ और कनेक्शन देना था, जिसे जनवरी 2022 में पूरा कर लिया गया। इसके बाद, सरकार ने 60 लाख और एलपीजी कनेक्शन देने की मंजूरी दी, जिसे दिसंबर 2022 तक पूरा कर लिया गया।

एपल अगले हफ्ते लॉन्च कर सकती है सबसे सस्ता फोन

नईदिल्ली। एपल अपने ग्राहकों को एक बड़ा सरप्राइज देने के लिए तैयार है। अब तक यह माना जा रहा था कि कंपनी इस साल का बजट आईफोन मार्च या अप्रैल में लॉन्च करेगी, लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि एपल अगले हफ्ते ही आईफोन SE 4 लॉन्च कर सकती है। यह फोन 2022 में आए आईफोन SE 3 का उत्तराधिकारी होगा। एपल ने आम तौर पर अपने बजट आईफोन को मार्च या अप्रैल के बीच लॉन्च किया है, लेकिन इस बार कंपनी ने प्लान बदलते हुए आईफोन SE 4 को अगले हफ्ते लॉन्च करने का मन बना लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एपल बिना किसी बड़े इवेंट के इसे लॉन्च कर सकती है। कंपनी अपनी वेबसाइट पर प्रेस रिलीज के जरिए इसका ऐलान कर सकती है। 11 फरवरी को एपल अपने नए PowerBeats Pro 2 इयरबड्स लॉन्च करने वाली है, और माना जा रहा है कि उसी दिन आईफोन SE 4 की लॉन्चिंग भी हो सकती है।

रिलायंस पावर का तगड़ा कमबैक!

नईदिल्ली। अनिल अंबानी की रिलायंस पावर ने नुकसान से मुनाफे तक का बड़ा मोड़ लेते हुए अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही में रू. 41.95 करोड़ का प्रॉफिट दर्ज किया है। एक साल पहले 1,136.75 करोड़ रुपये के भारी नुकसान में डूबी इस कंपनी ने अब तेजी से वापसी कर ली है। बढ़ती आमदनी और ऑपरेशनल खर्चों में कटौती के दम पर कंपनी ने ये कामयाबी हासिल की है, जो इसके वित्तीय भविष्य के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आई है। रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी सामने आई है। रिलायंस पावर की कुल आय बढ़कर रू. 2,159.44 करोड़ हो गई, जो पिछले साल इसी तिमाही में रू.1,998.79 करोड़ थी। वहीं, कंपनी के खर्च घटकर रू.2,109.56 करोड़ रह गए, जबकि पिछले साल की तीसरी तिमाही में ये रू.3,167.49 करोड़ थे।

विकसित भविष्य के लिए जरूरी हैं प्लेटफॉर्म

लवीश भंडारी

भारत को 2047 तक विकसित बनाने का लक्ष्य मुझे आकर्षित तो करता है मगर अपनी बिरादरी के दूसरे लोगों की तुलना में मुझे संदेह भी अधिक होता है। यह लक्ष्य बेहद करीब नजर आता है, जिसकी वजह से और भी लुभाता है। अगर हम बीते जमाने के मॉडल और सबक आजमाते हैं तो इस लक्ष्य से चूक जाना लगभग तय है। यह भी तय है कि बंटी हुई भू-राजनीति, बिना भरोसे के व्यापार साझेदार, तकनीकी चुनौतियां और जलवायु परिवर्तन जैसी अनिश्चितताएं बनी रहेंगी बल्कि और भी बढ़ेंगी। इसलिए हमारे पास न तो गति है और न ही भू-राजनीति, व्यापार या जलवायु हमारे पक्ष में है। किंतु मुझे लगता है कि लक्ष्य इतना आकर्षक तो है कि इसके लिए अधिक यत्न किया जाए।

मेरे विचार में तमाम अनिश्चितताओं का हल ऐसी आर्थिक व्यवस्था बनाने में है, जो बदलते माहौल में खुद को जल्द ढाले और जिसमें लगातार नवाचार ही उत्पादन की बुनियाद हो। इसके लिए अधिक से अधिक आर्थिक गतिविधियों को प्लेटफॉर्म के स्वरूप में अंजाम दिया जा रहा है। इसकी वजह शायद यह भी है कि चुनौतीपूर्ण अवसरों में यह ज्यादा कारगर है। डिजिटल कॉमर्स से लेकर सैन्य उपकरण, वाहन उत्पादन और सूचना तकनीक समेत तमाम क्षेत्रों में प्लेटफॉर्म वाले मॉडल का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि हर नए विचार की तरह यह विचार भी पुराना है। प्लेटफॉर्म कुछ और नहीं हैं, वे तमाम तरह के एजेंटों को एक साथ काम करने का मौका भर देते हैं। रेलवे प्लेटफॉर्म पर मुसाफिर, रेहड़ी वाले और रेलवे कर्मचारी एक साथ आते हैं। कंप्यूटर प्लेटफॉर्म पर कई सॉफ्टवेयर एक साथ काम करते हैं। एयरक्राफ्ट प्लेटफॉर्म में कई तरह

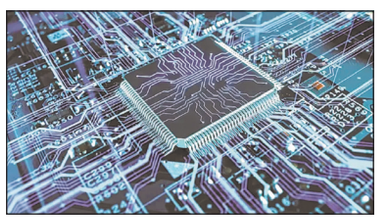

के पुर्जे लगाए और बदले जाते हैं। विश्वविद्यालयों और मॉल में भी ऐसे ही आदान-प्रदान होता है।

इन प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी खासियत होती है इनके एजेंटों की आजादी और लचीलापन। इसीलिए किसी एक एजेंट या घटक पर उनकी निर्भरता बहुत कम होती है। यही वजह है कि विक्रेता किसी एक ग्राहक से नहीं बंधे होते हैं और न ही ग्राहक किसी एक विक्रेता से बंधा रहता है। इस लचीली व्यवस्था के कई फायदे हैं। ई-कॉमर्स कंपनियां उत्पादों में ज्यादा अच्छी तरह से अंतर कर पाती है और ग्राहकों को अधिक विकल्प मिल जाते हैं। इस तरह वे तेजी से बदलती मांग को कम खर्च में ही पूरा कर देती हैं। सैन्य विमान की बात करें तो पुराने हथियारों और इंजनों की जगह ज्यादा उन्नत हथियार और इंजन आ सकते हैं, जिससे विमान का प्लेटफॉर्म लंबे समय तक चल जाता है। इसलिए प्लेटफॉर्म लचीला हो तो आजादी का बहुत फायदा मिलता है। डिजिटल तकनीक में तेज प्रगति से भी सूचना तत्काल सही जगह पहुंच जाती है, जिससे लोगों की प्रतिक्रिया भी विश्वसनीय तरीके से आती है। इससे नवाचार भी तेज होता है।

भारत सरकार दुनिया की उन चुनिंदा सरकारों में शामिल है, जो प्लेटफॉर्म तैयार करने के प्रस्तावों का स्वागत करती है। यहां डिजिटल भुगतान व्यवस्था में प्लेटफॉर्म की सभी खासियत हैं, जिनकी वजह से यह जल्द शुरू हुई और कामयाब भी हो गई। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के साथ सरकार एक और प्लेटफॉर्म तैयार कर रही है, जिससे कई और स्टार्टअप की जमीन तैयार होगी।

इसलिए अब हमें ऐसी आर्थिक नीति नहीं चाहिए, जो व्यापार या उद्योग जैसे किसी खास क्षेत्र के खास प्लेटफॉर्म पर केंद्रित हो। उसकी जगह हमें सभी प्लेटफॉर्मों पर केंद्रित एक नीति चाहिए। प्लेटफॉर्म भी दूसरी कंपनियों या संस्थाओं की तरह होते हैं, जो एक दूसरे से होड़ भी करते हैं और मिल-जुलकर काम भी करते हैं। किसी दूसरी आर्थिक संस्था की तरह उन्हें भी फलने-फूलने के लिए आजादी चाहिए। सरकार डिजिटल भुगतान और ओएनडीसी के अनुभवों से खुद ही सीखे तो बेहतर होगा। इसके जोखिमों से घबराने और नवाचार का गला घोटने के बजाय लेनदेन के इस नए तरीके को साकार होने देना चाहिए।

'परीक्षा पे चर्चा' युवाओं और अभिभावकों को संबल देने वाली पहलःमुख्यमंत्री

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल देश की प्रगति की चिंता ही नहीं करते, बल्कि वे युवाओं से विशेष जुड़ाव रखते हैं। उनका यह प्रयास है कि भावी पीढ़ी सही निर्णय ले, जीवन की परीक्षाओं को आत्मविश्वास के साथ दे और देशहित में अपनी ऊर्जा का सर्वोत्तम उपयोग करे। प्रधानमंत्री की यह सोच परीक्षा पे चर्चा के माध्यम से मूर्त रूप लेती है, जो देश के करोड़ों छात्रों और उनके अभिभावकों को संबल प्रदान करने वाली पहल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम शामिल होकर छात्र-छात्राओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वार्ता परीक्षा पे चर्चा को सुना। इसके उपरांत विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने बोर्ड सहित अन्य परीक्षाओं की तैयारी भयमुक्त और तनावरहित वातावरण में करने के लिए छात्र छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पिछले आठ वर्षों से लगातार परीक्षा के समय देश के विद्यार्थियों से संवाद कर रहे हैं और उन्हें मूल्यवान टिप्स दे रहे हैं। सालभर की मेहनत के बावजूद परीक्षा के समय तनाव और दबाव का अनुभव होना स्वाभाविक है, लेकिन प्रधानमंत्री की यह पहल इस समस्या को दूर करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। प्रधानमंत्री न केवल छात्रों से संवाद करते हैं, बल्कि अपने अनुभवों के माध्यम से सफलता का मंत्र भी देते हैं। यह संवाद न केवल बच्चों बल्कि उनके अभिभावकों को भी बहुत कुछ सिखाता है। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें, बल्कि परीक्षा के समय उनका मनोबल बढ़ाएं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा बच्चों को छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करने, संतुलित आहार लेने, भरपूर नींद लेने और मानसिक शांति बनाए रखने की सलाह देते हैं। इस वर्ष उन्होंने सूर्य स्नान के महत्व पर भी चर्चा की, जिससे विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें नई प्रेरणा भी देते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास बनाए रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तनाव तो स्वाभाविक है, लेकिन जब हमें अपनी तैयारी पर भरोसा होता है, तो हम किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं।

साय ने छात्र छात्राओं के साथ सुनी परीक्षा पे चर्चा की आठवीं कड़ी

मुख्यमंत्री ने साझा किए छात्र जीवन से जुड़े अनुभव

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर अपने छात्र जीवन से जुड़े प्रेरक अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि गांव में उनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई और वे पढ़ाई में हमेशा अच्छे रहे। लेकिन बचपन में ही पिता के निधन ने जीवन में कई चुनौतियाँ प्रस्तुत कीं, जिससे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। उन्होंने आगे बताया कि उनकी हैंडराइटिंग बहुत अच्छी थी और शिक्षक उसे अन्य विद्यार्थियों के लिए उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते थे।

मुख्यमंत्री से पोलैंड की विदेशी मामलों की समिति के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रभावित हुआ पोलैंड का संसदीय दल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में पोलैंड की विदेशी मामलों की संसदीय समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह और राजकीय गमछा भेंट किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत,खनिज भंडार, वन संपदा व पर्यटन सहित अन्य विशेषताओं की जानकारी देते हुए राज्य में आर्थिक निवेश के विषय में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से आर्थिक विकास के पथ पर अग्रसर है। हमारे द्वार निवेशकों के लिए खुले हैं, यहां उद्योगों को सभी प्रकार की सुविधाएं दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने पोलैंड सहित अन्य यूरोपीय देशों के निवेशकों को भी छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश के लिए आमंत्रित किया। छत्तीसगढ़ के नैसर्गिक सौंदर्य एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी से पोलैंड का संसदीय दल बहुत प्रभावित हुआ। पोलैंड की विदेशी मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष श्री पावेल कोवल ने कहा कि उन्हें छत्तीसगढ़ में आकर बहुत अच्छा लगा। वे कल पुरखौती मुक्तांगन गए, जहां छत्तीसगढ़ की संस्कृति की झलक देखने को मिली। पिछले साल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पोलैंड की यात्रा की थी। लगभग 45 वर्षों के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री पोलैंड आये।

साय सरकार के नेतृत्व में नक्सल उन्मूलन की नई इबारतः 985 आत्मसमर्पण, 1177 गिरफ्तार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने नक्सल उन्मूलन के प्रयासों में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। सरकार द्वारा लागू की गई प्रभावी नीतियों और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण ने राज्य में स्थायी शांति और सुरक्षा का माहौल बनाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में प्रदेश में बीते 13 महीनों में 305 नक्सली मारे जा चुके हैं, 1177 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 985 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह आंकड़े न केवल सरकार की प्रतिबद्धता और कुशल रणनीति को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी प्रमाणित करते हैं कि छत्तीसगढ़ नक्सल हिंसा से मुक्त होकर शांति और विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नक्सल समस्या केवल सुरक्षा बलों की कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक और विकासात्मक चुनौती भी है। उनकी सरकार ने इस समस्या को एक समग्र दृष्टिकोण से हल करने का प्रयास किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए पुनर्वास योजनाएं तैयार की गई हैं, जिनमें उन्हें रोजगार, आर्थिक सहायता और समाज की मुख्यधारा में वापस लौटने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। यह पुनर्वास नीतियां न केवल उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रही हैं, बल्कि समाज में भी शांति और विश्वास का माहौल बना रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा

कि 1177 नक्सलियों की गिरफ्तारी राज्य सरकार की मजबूत सुरक्षा नीति का परिणाम है। राज्य सरकार ने सुरक्षा बलों को अत्याधुनिक उपकरण, उन्नत प्रशिक्षण और बेहतर समन्वय से लैस किया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि नक्सल संगठनों की गतिविधियों को जड़ से खत्म किया जा सके। गिरफ्तार किए गए नक्सलियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है, जिससे राज्य में न्याय और कानून व्यवस्था मजबूत हो सके। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उनकी सरकार की प्राथमिकता न केवल नक्सलियों को हथियार डालने के लिए प्रेरित करना है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि वे समाज में पुनः जुड़कर सम्मानजनक जीवन जी सकें। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई हैं, जिनके तहत उन्हें रोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया है। इन क्षेत्रों में विकास कार्यों ने न केवल स्थानीय जनजातीय समुदायों का विश्वास बढ़ाया है, बल्कि युवाओं को हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए भी प्रेरित किया है। इन विकास कार्यों का असर यह हुआ है कि अब नक्सल प्रभावित क्षेत्र धीरे-धीरे शांति और समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार ने नक्सल समस्या को सुलझाने में अधिक प्रभावी और दूरगामी दृष्टिकोण अपनाया है।

केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में स्थापित कर रहा है नए मानकः मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य संकेतकों में अभूतपूर्व सुधार

रायपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने संसद में दिए अपने वक्तव्य में बताया कि भारत में मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर और अंडर-फाइव मृत्यु दर में गिरावट की दर वैश्विक गिरावट की दर से दोगुनी से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि यह सफलता स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि बीजापुर, कोंटा, नारायणपुर, बस्तर और दंतेवाड़ा में स्वास्थ्य संकेतकों में अभूतपूर्व सुधार दर्ज किया गया है। इन क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के कारण यह सुधार संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अपनाई गई बहुआयामी रणनीतियों ने इस सुधार को गति दी है और इन प्रयासों को स्थाई बनाने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जाएगा।

केंद्र और राज्य के सहयोग से छत्तीसगढ़ में नया बदलाव- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि को केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग का प्रमाण बताते हुए कहा कि यह बदलाव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा की प्रभावी रणनीतियों के परिणामस्वरूप संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदेश के सबसे दूरस्थ इलाकों तक भी पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माताओं और शिशुओं की देखभाल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए मतदाताओं से की वोट अपील

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नगरीय निकाय चुनाव - 2025 के लिए मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी को वोट देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगर पालिक निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में कल वोट डाले जाएंगे। जिस तरह हमने मोदी की गारंटी के सभी वादों को पूरा किया है, ठीक उसी तरह हम नगरीय निकायों के समुचित विकास के लिए जारी अटल विश्वास पत्र के सभी संकल्पों को पूरा करेंगे। इसलिए कमल छाप का बटन दबा कर भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाएं। सीएम साय ने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत हमने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जरूरतमंदों के पक्के घर के सपने को साकार किया है। किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल धान की कीमत देने का वादा पूरा किया है और धान की अंतर की राशि बारह हजार करोड़ रुपए भी जारी कर दी है। महतारी का सम्मान करते हुए हमने महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को अब तक बारह क़िस्त जारी कर दी है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष दस हजार रुपए की आर्थिक सहायता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम किसानों, महिलाओं, गरीबों, जरूरतमंदों सभी वर्ग की सेवा कर रहे हैं और आगे भी करेंगे। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करें। भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाएं।

100 लीटर कच्ची शराब व 2400 किग्रा महुआ लाहन जब्त

रायपुर। मुंगेली जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए प्रशासन लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में लोरमी विकासखंड के ग्राम शिकारीडेरा परसवारा में आबकारी विभाग द्वारा छापेमार कार्रवाई कर 100 लीटर कच्ची शराब और 2400 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। कलेक्टर राहुल देव के निर्देशानुसार जिले में शराब के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त राजेश जायसवाल ने बताया कि टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर शराब और महुआ लाहन को जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

आयुष्मान योजना अंतर्गत फर्जी दावे करने वाले अस्पतालों पर सख्त कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के तहत फर्जी दावों पर सख्त कार्रवाई करते हुए रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर के 28 अस्पतालों का निरीक्षण किया। जांच के बाद 15 अस्पतालों का पंजीयन एक वर्ष के लिए निरस्त कर दिया गया, जबकि 4 अस्पतालों को 6 माह के लिए, 4 को 3 माह के लिए निलंबित किया गया और 5 अस्पतालों को चेतावनी पत्र जारी किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट समय-समय पर फर्जी दावों की पहचान कर ट्रिगर भेजती रही है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ शासन ने विस्तृत परीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे, जिसके बाद राज्य नोडल एजेंसी ने संदिग्ध अस्पतालों की पहचान कर राज्य एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की विशेष बैठक बुलाई। रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर जिलों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया, जिसमें डॉक्टरों और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीमों ने प्रत्येक दिन दो अस्पतालों की गहन भौतिक जांच की। निरीक्षण के दौरान अनियमितताओं के प्रमाण पाए जाने पर सभी 28 अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और जवाब देने के लिए पर्याप्त समय दिया गया। अस्पतालों द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण समाधानकारक नहीं पाए गए.

31 पेटी एमपी मदिरा एवं स्विफ्ट कार जब्त, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। नगर निगम एवं पंचायत चुनावों के मद्देनजर अवैध शराब के अवैध परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने के लिए छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार राज्य में आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी की टीम ने 07 फरवरी आरोपी पुकेश्वर खरे उर्फ नानू के कब्जे से मध्यप्रदेश की 31 पेटी गोवा स्पेशल मदिरा बरामद की, जिसकी कुल कीमत 2,01,500 रूपए आंकी गई है। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट कार को भी जब्त किया गया, जिसका अनुमानित मूल्य 5 लाख है। इस प्रकार जब्त की गई संपत्ति की कुल कीमत लगभग 7,01,500 रूपए है। यह कार्रवाई दुर्ग जिले के ग्राम मटंग-मानिकचौरी मार्ग, थाना उतई के पास की गई। इस मामले में आरोपी गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी एवं आबकारी उपायुक्त जी.के. भगत, सहायक आयुक्त सी.आर. साहू के मार्गदर्शन में की गई। इस कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक गीतांजलि तारम, आबकारी मुख्य आरक्षक संतोष दुबे, आबकारी आरक्षक खुलदीप यादव, ड्राइवर धनराज एवं नोहर का सराहनीय योगदान रहा।

पुरानी रंजिश को लेकर चाकूबाजी, एक भाई की मौत

रायपुर। पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए खमतराई इलाके में दो भाइयों पर आरोपी ने चाकू से हमला कर दिया जिसमें एक भाई की मौत हो गई वहीं दूसरा भाई गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार खमतराई इलाके में रविवार क दोपहर पुरानी बात को लेकर युवकों के बीच विवाद हो गया। विरेंद्र पाण्डेय ने रंजिश का बदला लेने की नीयत से मुकेश और रवि पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में चाकू लगने से रवि की मौके पर मौत हो गई और मुकेश को हाथ, पीठ और जांघ पर चोट आई है। उसे लहूलुहान हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना की सूचना आसपास के लोगों ने पुलिस को दी। इसके बाद खमतराई पुलिस ने पूरे विवाद को शांत करवाया और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

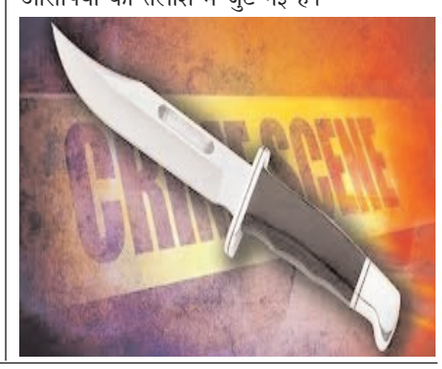

बघेल ने छत्तीसगढ़ को 10, जनपथ का एटीएम बनाया तो कांग्रेस के महापौरों ने लूट मचाकर नगरीय निकायों को एटीएम बनाया

जनता-जनार्दन नगरीय निकाय चुनावों में कांग्रेस को फिर एक बार कड़ा सबक देने जा रही हैः देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा है कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद छत्तीसगढ़ की जनता-जनार्दन कल 11 फरवरी को नगरीय निकायों के लिए मतदान करके कांग्रेस को फिर एक बार उसके भ्रष्टाचार और कुशासन के लिए कड़ा सबक देने जा रही है। श्री देव ने कहा कि नगरीय निकायों पर सालों से काबिज रहे कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों की नकारात्मक राजनीति से जनता-जनार्दन में काफी आक्रोश है और इससे पूरे प्रदेश में भाजपा के पक्ष में अभूतपूर्व सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि भाजपा नगरीय निकायों में अटल विश्वास पत्र में व्यक्त अपने संकल्पों को पूरा कर जनभावनाओं के अनुरूप नगरीय क्षेत्रों में विकास और जन-सुविधाओं का विस्तार करेगी। भाजपा जो कहती है, वह करके दिखाती है। इसके उलट, कहीं 10 तो कहीं 15 सालों से कांग्रेस नगरीय निकायों में हुकूमत चलाती रही, लेकिन इतनी लम्बी अवधि में कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों ने शहरो व नगरों में न तो विकास के काम कराए, न नए निर्माण कार्य के लिए एक ईंट तक धरी और न ही जनता को उनके हक की मूलभूत सुविधाएँ मुहैया कराई। भाजपा के कार्यकाल में जो काम हुए थे, कांग्रेस के लोग

उसे सहेजकर भी नहीं रख सके। कांग्रेस के लोगों का पूरा ध्यान केवल और केवल भ्रष्टाचार, लूट-खसोट और कमीशनखोरी पर ही केंद्रित रहा। श्री देव ने कहा कि पिछले पाँच सालों के अपने शासनकाल में कांग्रेस की भूपेश सरकार ने जिस तरह घपलों-घोटालों का सिलसिला चलाकर प्रदेश के सरकारी खजाने में डाका डाला और छत्तीसगढ़ को 10, जनपथ का एटीएम बनाकर रखा था, उसी तर्ज पर नगरीय निकायों में काबिज कांग्रेस के महापौरों-अध्यक्षों ने नगर निगमों, नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों में भ्रष्टाचार की सारी हदें पार करते हुए निकायों के अर्थ-तंत्र को खोखला करने और निकायों को प्रदेश कांग्रेस का एटीएम बनाने का काम किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि कांग्रेस के पास आज गिनाने के लिए अपने कार्यकाल की एक भी उपलब्धि नहीं और न ही नगरीय क्षेत्रों को सर्व सुविधासम्पन्न बनाने के लिए विकास का कोई रोडमैप है। नगरीय निकाय चुनाव के लिए जारी कांग्रेस का घोषणा पत्र तो झूठ का एक और नया पुलिंदा है और उसका वही अंजाम फिर होना है, जो पिछले चुनाव में जारी घोषणापत्र का कांग्रेस के लोगों ने पिछले पाँच सालों में किया है। श्री देव ने कटाक्ष किया कि यूँ भी कांग्रेस के लिए घोषणा पत्र कोई मायने नहीं रखता, क्योंकि कांग्रेस के लोग वादे पूरा करना तो दूर, अपने वादों से ही साफ मुकर जाते हैं, यह प्रदेश की जनता ने पिछले पाँच साल के कांग्रेस शासनकाल में बहुत अच्छी तरह देख-परख लिया है और इसीलिए भारी-भरकम बहुमत वाली कांग्रेस की सरकार पाँच सालों में ही अपनी ऐतिहासिक पराजय का दंश सहलाने के लिए विवश है। इसी तर्ज पर अब नगरीय निकायों के चुनावों में कांग्रेस का यही बुरा हश्र करने का प्रदेश की जनता-जनार्दन ने पक्का मन बना लिया है। प्रदेश की जनता अब कांग्रेस के झाँसों में कतई नहीं आएगी, यह कल के मतदान और 15 फरवरी के नतीजों से आईने की तरह साफ हो जाएगा।

नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा को मिलेगा मातृ शक्ति का आशीर्वाद

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक रंजना साहू ने कहा है कि नगरीय निकाय चुनावों में भी छत्तीसगढ़ की मातृ-शक्ति का विश्वास से भरपूर आशीर्वाद भाजपा को मिलने जा रहा है और इन चुनावों में ऐतिहासिक सफलता दर्ज कर भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार विकास और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को नया आयाम देगी। श्रीमती साहू ने कहा कि प्रदेश की जनता, विशेषकर मातृ-शक्ति के आशीर्वाद और शुभकामनाओं का ही सुपरिणाम है कि भाजपा ने रायपुर समेत पाँच नगर निगमों के महापौर तथा नपा-नपं अध्यक्ष प्रत्याशी के रूप में मातृ-शक्ति को अवसर प्रदान कर महिलाओं के

राजनीतिक सशक्तीकरण की राह आसान की है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती साहू ने कहा कि यह चुनाव नारी सशक्तीकरण के अवसर का प्रतीक है जिसके लिए संकल्पित भारतीय जनता पार्टी नारी शक्ति की वंदना करती है। प्रदेश सरकार की महती %महतारी वंदन योजना% महिलाओं को आर्थिक तौर पर मजबूत बनाने का काम कर रही है, उसी प्रकार जन आकांक्षाओं के अनुरूप प्रदेश के शहरों व नगरों को सँवारने और जन-सेवा में स्वयं को प्रतिक्षण तत्पर रखने की मातृ-शक्ति की आकांक्षाओं को भाजपा ने साकार किया है। श्रीमती साहू ने कहा कि जिस तरह मोदी की गारंटी के तहत महिलाओं से किए गए वादों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार ने तेजी से पूरा किया है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.